(कविता संग्रह)

पाण्डुलिपि

प्रो. अयोध्याप्रसाद उपाध्याय

www.bhojpurisahityangan.com

पाण्डुलिपि

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

पाण्डुलिपि

अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

www.bhojpurisahityangan.com

© लेखकाधीन
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन
ब-515, बुद्ध नगर, इंद्रपुरी, नई दिल्ली-110012
मो. : 8750688053
ईमेल : newworldpublication14@gmail.com
प्रथम संस्करण : 2026
मूल्य : 299 रुपये
मुद्रक : सूरज प्रिंटर्स, दिल्ली (110032)

PANDULIPI

by AYODHYA PRASAD UPADHAY

www.bhojpurisahityangan.com

समरपन

चिरसंगिनी श्रीमती शिवकुमारी देवी
के पावन स्मृति में
भोजपुरी कविता-संग्रह
''पाण्डुलिपि''
के
सादर समर्पित

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

श्री गणेशाय नमः
नमन गजानन पाँव के, राखत ओह पऽ शीश।
जेकरा से हम पवलीं, अक्षर ज्ञान आशीष॥

लिखे खातिर कलम आ कागज सामने रखले रहीं। बाकी बुझात ना रहे का लिखीं। उधेड़बुन में परल रहीं। दिल-दिमाग दुनों में हलचल मचल रहे। मन तऽ अपनहीं मतंग बन के एने-ओने माकल चलत रहे। तबहिंये हमार ध्यान गणेश जी में लाग गइल। उनुका के गोहरइलीं। विनती कइनीं। हे गणेश जी जइसे रउआ वेद-व्यास जी के महाभारत महाकाव्य के लिख देलीं ओइसहीं हमरो बुद्धि में घुस के लेखनी के शक्ति प्रदान करीं। हमहूँ आपन मन के भाव आ विचार लिपिबद्ध कर सकीं। जवन पाठक लोग के हाथ में पहुँच जाये। एकर हमार कवनो चाह नइखे कि केहू एकरा के सराही कि एह में दोष-दुगुण देखी। दुनों हमरा खातिर स्वीकार्य बा। हम हर हाल में पाठकन के प्रशंसा करब कि उनुकर दृष्टि कम-से-कम हमार रचना के ओर गइल। ई हम बढ़िया से जानत बानी आदिमी के भीतर दु तरह के दृष्टि मौजूद रहला। एगो दोष दृष्टि आ दूसरका गुण दृष्टि। दोष दृष्टि हरदम नीमनो चीज में दोष देखी। आ गुण दृष्टि दोष में से गुण के खोज लीही।

हे गणेश जी रउआ से हम निवेदन करत बानीं कि हमरा पऽ सहाय हो जाई कि हमहूँ आपन संकल्प आ संकल्पना के पूरा कर सकीं आ जनता जर्नादन के सामने स्वाद लेबे खातिर परोस दीहीं। एह कविता संग्रह में हमरा समझ से हर तरह के स्वाद बा। हम आपन बड़ाई अपने से कइसे करीं। ई बात कहे में तनिको संकोच नइखे कि एह संग्रह के कवितन के स्वाद खट

www.bhojpurisahityangan.com

मीठी अंचार जइसन बा। लेकिन एकरा बावजूद भोजपुरिया स्वाद जवन बा ऊ जरुरे रउआ सभे के नीमन लागी।

हम आपन पाठक लोग से निहोरा करत बात खतम करब कि आपन-आपन भला-बुरा विचार व्यक्त करब जा। एह बात के सब केहू जानत बा कि कवनो रचनाकार आपन रचना के अपनहीं सुख खातिर लिखला। तुलसीदास जी कहलहीं बानीं- ''स्वांतः सुखाय तुलसी रघुनाथ गाथा।'' हम तऽ भगवान के गाथा नइखी लिखले तबो कतहूँ-कतहूँ भगवान के नाम आइये गइल बा जवना से हम अपना के बड़ सौभाग्यशाली मानत बानीं।

एह संग्रह के कवितन में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक आ सांस्कृतिक विचार समन्वित बा। ओइसे समीक्षक भाई लोग हर तरह से स्वतंत्र बा। आपन समीक्षात्मक टिप्पणी देबे खातिर। हम ओकरा के सहर्ष स्वीकार करब आ सब केहू के स्वागत आ अभिनंदन करब।

हे गणपति, गजानन भगवान राउर किरपा से एह कार्य के निपटावे में सफल हो गइनी। राउर चरनन में बारंबार नमस्कार करत अपना के धन्य मानत बानीं।

- अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

www.bhojpurisahityangan.com

अनुक्रम

मोह ना लागे तोरा	13
करज में डूबल अदिमी	14
हमार माई	16
रीतु बसंत	17
बकवास	20
अस्सी के उमिर	22
भोजपुरिया	24
लोर	26
चउमास	28
हमरे गाँव के हवन	30
बेटी	33
शबरी	35
गाँव	37
परंपरा छोड़ के	39
आज अदिमी	41
बिजुरी बिल	43
बबुआ नाम मत लीहऽ	45
लव-कुश	47
सभ्य नागरिक	49
कलजुग	51

www.bhojpurisahityangan.com

जिनगी	53
सनातनी सईयाँ	54
जमुनिया रंग	56
जिनगी बीत गइल	58
ढोल झाल	60
भ्रम में बानीं	61
अधबूढ़	63
डंका सगरो बाजे लागल	64
दुनिया के मेला में	65
शहरिया उदास हो गइल	66
जिनगी भऽ	67
चिट्ठी	68
अंगुरी बिरावत बा	69
गंगा जमुनी	71
दरकचत रहल आदमी	73
भइया के सेवा	75
तनिको सहात नइखे	76
माया के बाजार में	77
देहिया धुनाइल बा	79
हे भोले नाथ	80
भगवान के दरबार में	83
हमरो तमन्ना	84
पड़ोसिया	85
तिरिया	86
सजाय होखे के चाहीं	87
पौधा ना लगवलीं	89
कठवत में धोअब	91

www.bhojpurisahityangan.com

जवइनिया गाँव	92
मुसीबत में	94
जगत के आधार स्वामी जी	96
सरकार अझुरावत बा	97
सेवा करब	98
राखी	99
ओरहन	100
चाह बा	101
खतरा जनि खरीदऽ	102
समुझावत रहीं	103
लड़त-झगड़त	104
हे गंगा मइया	106
बाँचल रहे मानवता	107
हीरा-मोती	108
तोता	109
भेंड़ चाल	113
धुन के पक्का	114
नारायण	115
आजादी	117
अध्यात्म के शक्ति	118
मेंहदी रचावल हाथ	120
महँगाई	121
सीमवा पऽ सजनवा	123
समय	124
शिकार हो गइल	125
उझुकुन	126
महेन्दर मिसिर	127

www.bhojpurisahityangan.com

सब हवा हवाई हो गइल	131
विस्फोट करबे करी	132
अहंकार	134
मेला घुमावल करीं	135
जिनगी के हाल	137
जग्य	139
भाग जागल बा	140
चोर-बटमार	142
मचान	143
कोल्हूआर	144
नाम	145
रोवत बाड़न	146
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	147
परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी	149
कल्याण के भावना	151
सभे चाहत बा	153
मौसम के मिजाज	155
पाण्डुलिपि	157
पावन संदेश	159

www.bhojpurisahityangan.com

मोह ना लागे तोरा

पउँवा पीरइले मोरा
मोह ना लागे तोरा
दरद समाइल पोरे पोर
रतिये में उपटल रहे
रोवत गावत भइले भोर
बलमुआ बेदरदी कहे
मत कर गोरी तू शोर
जेकरा पऽ भरोसा रहे
उहे कहे चोर
सईयाँ सुनले बानीं
कहानी हम चकई-चकोर
जिनगी के बूझत काहे
बाड़ऽ तू जवाल
दुनिया जे करे लागी
तोहरा से सवाल
देबऽ जवाब कि कहइब
सईया तूँ मुँहचोर।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

करज में डूबल अदिमी

शेखी हम का बघारीं
हम तऽ हई एगो
करज में डूबल अदिमी
जनम के बाद जब
हमरा होश भइल
देखनीं सब बा परेशान अदिमी
बाबू माई के
रात दिन हम खटत देखनीं
आपुसे में बतियावत सुननीं
करज में डूबल अदिमी
ना देहिया पऽ जेकर कपड़ा
खोंखत खोंखत तंग बा फेफड़ा
ना दवाई के एको पइसा बा
गिड़गिड़ात हम देखनी अदिमी
अइसना के ना केहू साथ देला
मौका पा के हँसबे करेला
संवेदनहीनता के सब शिकार बड़ुए
रोवत कलपत हम देखनीं
करज में डूबल अदिमी
ना चाह बा ना अरमान कवनो

www.bhojpurisahityangan.com

सब हो गइल रफ्फू चक्कर बा
जे जीअत बा खास्ता हाल
ऊ बेहाल बा करज में डूबल अदिमी
भगवान के भरोसे कसहूँ बा जीअत
केहू उधार ना देबे
दुकान के सोझा खाड़ बा
करज में डूबल अदिमी।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

हमार माई

ममता आ करुणा के खजाना हमार माई रामदुलारी देवी के 10 फरवरी 2010 के देहावसान भइल रहे। आज उनकर पुण्यतिथि के पावन अवसर पर हम आपन श्रद्धाँजलि उहाँ के चरनन में अर्पित करत बानीं ----

''रामदुलारी माई मोर
जागत रही भोरे भोर
कर लीहें सब काम-धाम
बिना कइले कवनो शोर
उनुकर चरनिया में हम
विनती करत बानीं करजोर
तोहरा बिनु माई हमहुँ
भइल बानीं कमजोर
तोहार याद में हरदम
बहत रहत बा हमार दुखियारी
अँखियन से लोर
सूती आ जागी
सुरुज भगवान के
रोज गोड़ लागी
पढ़े में बबुआ बाड़न कमजोर
इनकरा के दीहीं बुद्धि
ए सुरुज देव
पढ़ाई के टूटे ना कबो डोर।

▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

रीतु बसंत

शोर मचावत जात बा सगरो
रीतु बसंत आइल बा
बालक वृद्ध किशोर युवा सबमें
भरपूर समाइल बा
सबहीं बड्डुए कूदत फानत
सब मौज मस्ती में नधाइल बा
केहू नाचत गावत तन मन उमगावत
अपनहीं में धधाइल बा
गला फाड़के गावत बाड़े फगुआ
तनिको ना लजाइल बा
हाथ भाँजत गोड़ पटकत
मुड़ी हिलावत आइल बा
शोर मचावत जात बा सगरो
रीतु बसंत आइल बा
केहू कतनो सझुरावत बा
बाकी बिना भांग के बउराइल बा
देह के केकरो कवनो सुध नइखे
सबकर बाल खउराइल बा
भर फागुन बुढऊ देवर लागेलन

www.bhojpurisahityangan.com

कह कह के भकुआइल बा
शोर मचावत जात बा सगरो
रीतु बसंत आइल बा
नइखे बुझात बबुआ हमार, सभ केहू
एके रंग में रंगाइल बा
आइल बा, आइल बा, आइल बा
रीतु बसंत आइल बा
मंद-मंद मुस्कुरात पवन, देह के
सुहरावत आइल बा
रोवाँ रोवाँ में घुस के
प्रेम के गीत गावत आइल बा
जगहे जगह तरह तरह के
रंग बिरंग फूल खिलावत आइल बा
शोर मचावत जात बा सगरो
रीतु बसंत आइल बा
अमराई में कोइलरी के बोली
सुन के हिया हुलसाइल बा
जेकर पिया परदेसिया हवे
ओकरा हूक समाइल बा
आइल बा, आइल बा, आइल बा
रीतु बसंत आइल बा
बिरहा बिरहिनि के जीयरा में
आग लगावे आइल बा
बान समान छेदत बा छाती
बगिया अमवा मोंजराइल बा
पापी पपीहरा के पी पी
वियोगिनी के जरावे आइल बा

www.bhojpurisahityangan.com

शोर मचावत जात बा सगरो
रीतु बसंत आइल बा
आइल बा, आइल बा, आइल बा
आग लगावत पानी बरसावत सगरो आइल बा,
आइल बा, रीतु बसंत आइल बा।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

बकवास

ए गोरी तोहार
देह महकत बा
पास में बोलाई कइसे
जवन कोठरी
हमरा मिलल बा
एकहु खिड़की नइखे
ओह में तोहरा के
हम बइठाइब कइसे
जबाना से भीतरा
हमरा एगो दरद रहे
भीरी जब ना रहबू
ओकरा के निकालब कइसे
हमरा सभ मालूम बा
मनो कइला से तू
हमार बात मनबू ना
बताव तोहरा के मनाइब कइसे
तोहार तऽ कोमल देह के
हम कबहिंयों छुअब ना
भला ओह के झकझोरब कइसे
मन में आइल हऽ

www.bhojpurisahityangan.com

एगो नया साल के
नया सुपरनोवा इतिहास
आजु मकर संक्रांति हऽ
बिना तोहरा संगे हम
चीउरा दही खाइब कइसे
हो गइल रहे ढेर दिन
हमनी के मुलाकात भइल
सोचनी हं मन में
बिना तोहरा के
बकवास करब कइसे।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

अस्सी के उमिर

हो गइल बाबा के
अस्सी के उमिर
कबो कबो हो जात बा
पेशाब बिछवने पर
ठेहुनो से ठीक से
नइखे चलल जात
कमर में त दरद
रहतहीं बा
कतनो तेल मालिश होत बा
तबहियों ऊ नइखे जात
अँखियो में घेरले बा
मोतियाबिंद
दाँत सब हिलत टूटत बा
कफ खाँसी जकड़ले बड़ुए
जवना से
कंठो हो जात बा
जबे ना तबे बंद
तबहियों बाबा
बहुते खुश रहेलन
एह बात से कि

www.bhojpurisahityangan.com

ऊ हो गइले अस्सी के
बबुआ सुनऽ हमार
बाबू कुँवर सिंह के जवानी
जागल रहे अस्सी के उमिर में
अंगरेजन के छक्का छोड़वले रहले
अउरी पीअवले रहन पानी।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

भोजपुरिया

भोजपुरी से नाता जोड़ीं
दुश्मन के माथा फोड़ीं
भोजपुरिया के हाथे लाठी
डर से भाग पराय खुराठी
भोजपुरिया जब अईठे मोंछ
कुकुर जस भागे उठा के पोंछ
भोजपुरिया जब बान्हे पगड़ी
भाग जाय देखते ही झगड़ी
भोजपुरिया जब पंचायत जाय
बिगड़लो काम बन जाय
भोजपुरिया खाये लिट्टी-चोखा
देबे ना ऊ केहू के धोखा
जवन कही ऊ मुँहे पऽ कही
स्वाभिमानी बन के ऊ रही
भोजपुरिया ना होखे मुँहचोर
समाज के सोझा रहे सीनाजोर
ताल ठोंक के करे बतकही
बतिआई ऊ एकदम सही
केहू से ना लागे ओकरा डर
चलत जाला सीधे पकड़के डगर

www.bhojpurisahityangan.com

मदद करेला ऊ राहगीर के
काँट निकाल के कम करेला पीर के
घबराये के ऊ हाल ना जाने
कबहिंयों आपन हार ना माने।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

लोर

अँखियन से हमरा
लोर ढरकत बा
कहिया से तन-मन
दुख के सहत बा
केहू भेंटाइल ना
जे हमार हालचाल पूछे
देखि हमरा के हँसे
दाल रोटी भेंटाइल हऽ
कि तू खइलऽ हऽ छूँछे
काहे तोहार देहिया
दरद बा करत
तोहार मनवो तऽ ठीक नइखे
ओह पऽ बा गंदगी परत दर परत
हालत तोहार बा गड़बड़ाइल
तनिको ध्यान देत काहे नइखऽ
रहत बाड़ऽ हरदम घबराइल
आपन चिंता छोड़ के
दुनिये में रहत बाड़ऽ अझुराइल
देखनी हँऽ हम मंगरुआ के
अँखियाँ से टपकत रहे लोर

www.bhojpurisahityangan.com

हमरा के देखते ऊ शरमाइल
जाने खातिर हमहूँ ना देनीं जोर
अबहीं ओकर हालत भइल बा तंग
साफ-साफ बतावतो नइखे
बुझाइल हऽ देख के ओकर चेहरा के रंग
समय एक जइसन रहे ना कबहूँ
दुख-सुख आवत जात रहला
जीअत-मरत सहत बा सब केहू।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

चउमास

एह साल छोड़ले रहले बाबूजी
खेत चउमास
ओकरा करत बानीं चास
थोड़े देर ले बइठल रहीं
लागल बा पिआस
घरे से जब अईहें
देख के हो जइहें उदास
कह के गइल रहले
हमरा आवे आवे में
एकरा कर दीह दुचास
हम अब का करीं
पुरान बैल ना देलन सं साथ
हमरा बुझात नइखे
बाबूजी करीहें कि ना
हमार बात पऽ विश्वास
एकरा छोड़ के तऽ कवनो
हमरा पास नइखे जवाब
गरमी से हमार भइल बा तरास
देखल जाई बाबूजी के सोच
डँटीहें-फटकरीहें ऊ कि

www.bhojpurisahityangan.com

थेरिका होइहें लोच
जइसन बड़ुए साधन
काम ओइसने नूं होई
बाबूजी के डरे-मारे हम
चाहे कपार धऽ के रोई
रहे खेती-चउमास
आस रहे गेहूँ बढ़िया होई
खेतवा जोतइबे ना कइल
तऽ फसल नीमन कइसे होई।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

हमरे गाँव के हवन

बात नइखीं बनावत
साँचो कहत बानीं
एक बे असहीं कहे में
कुछुओ कहा गइल रहे
साँझ होत होत
बाबूजी से बहुते लोग
आ के कह गइल रहे
तोहार लइका तऽ
फलनवा चिलनवा के
बारे में कवन दो बात
कह देले बा जवना से
ऊ खूबे दुखी भइल बाड़े
कबड्डी खेल के जब हम
साँझी के घरे गइनीं त ऽ
सगरो से घेरा गइनीं
चारु भ से ढेर मानी लोग
खावं खावं करे लागल
हमरा कवनो ओर छोर
बुझइबे ना कइल
चुपचाप मन मरले

www.bhojpurisahityangan.com

चउकी पऽ बइठल रहीं
बाबूजी लोगन से बतिआवत
रहले
तब ले बाबा हमरा से
पूछे लगले
ए बबुआ घुरफेंकन के बारे में
केकरो से कुछुओ
कहलऽ हऽ का ...
हँ!
का कहलऽ हऽ
इहे कि ई ...हमरे गाँव के रहन
अरे! राम राम!
ई कवन अइसन बात बा?
बाबा हाथ पकड़ के
बाबूजी के भीरी ले गइले
बाबूजी तमतमाइल रहले
लोगन से बतिआवल छोड़ छाड़ के
ऊ सभ के सोझहीं
हमरा से पूछे लगले
घुरफेंकन के का कह देले बाड़ऽ
कहत बाड़े
बबुआ जी के कारने
हमार इजत माटी में मिल गइल
दु तीन दिन
पहिले के बात हऽ
कुछ लोग से कहत रहले
गाँवें काम करत रहीं तऽ

www.bhojpurisahityangan.com

पोसाई ना परत रहे
एह से हम चलि गइनीं पूना
ओहिजा कवनो काम के
गाँवें से मिलला दूनातीना
ओहिजो घर बनवले बानीं
आ गाँवें तऽ पूछहीं के नइखे
खूबे ठाट.बाट से रहींला
गाँव में केहू से कम नइखीं
एही पऽ हम कह देनीं
घुरफेंकन तऽ हमरे गाँव के हवन
पहिले गाँवें जूता बनावत रहन
अब पूना में बनावत बाड़न
एह बात के सुन के
सभ केहू घुरफेंकन देने देखे लागल
आ ऊ चुपचाप खाड़ बाड़े।

▫▫

(ई कवनो बनावटी ना हऽ। साँच पऽ आधारित बा। एह बात में कवनो दम होखे तऽ दनादन हमरा से सवाल पूछल जाव। जब ई बे. दम के बा त ऽ हमरा के केहू बेदम ना करी ।)

www.bhojpurisahityangan.com

बेटी

ए माई! बेटा.बेटी में
काहे अंतर करत बाड़ू
भइया के हाथ में कुदारी
हमरा के देत हाथ में झाड़ू
हमहूँ भइया संगे
खेते खरिहानी जाइब
काट पीट के घरे ले आइब
पढ़ब लिखब नौकरी करब
बढ़िया पाइब हम तलब
बाप मतारी के नाम अमर करब
खूब बढ़िया से हम सेवा करब
देश के मान मरजादा बढाइब
सैनिक बन के सीमा पऽ लड़ब
दुसमन के छाका छोड़ाइब
माई हमार मत अंतर अब करीह
कहत बानीं तोहरा से
एकदम तू इत्मीनान से रहीह
लइकी होखला के कारण
तू हमरा खातिर जनि डेरइह
एकइसवीं सदी के लइकी हईं

www.bhojpurisahityangan.com

सब कुछ हमरा मालूम बा
समय समाज के समुझत बानीं
डिजिटल दुनिया के जानत हईं
लइकी घर के चूल्हा चौका से
कहिये बाहर निकल के आइल
ओहनी के एक से एक अजूबा
देखि के बड़ बड़ लोग घबराइल
भारत माता के दु दु गो लाल
बेटा.बेटी करे कमाल
आजुओ हम एक बेर
ई बात कहत बानीं
कवनो मतारी ई मत कहे
हमार बेटा नइखे
एह बात के कबहिंयों
ऊ जनि करे मलाल
बेटी अब बेचारी कहँवा
कर देत बाड़ी माई-बाप के मालामाल।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

शबरी

माई शबरी के जूठ बइयर खा के
श्री राम जी
जातीय भेद.भाव मिटवले
कोलकिरातभीलनिषाद के
आपन गला से लगवले
समरस समाज के राह पऽ
सबका के चले के बतवले
सब कर कल्याण खातिर
राजनीति छोड़ के
रामनीति पऽ चले के कहले
खलिसा अदिमी छोड़ के
ब्रह्मा विष्णु महेश सभे
ओह के अपनवले
अदिमी तऽ आदमखोर हो के
राजनीति के पोंछटा पकड़ले
लाज लेहाज सब कुछ छोड़ छाड़ के
करम कुकरम सब के अपनइले
के आपन हऽ आ के ह ऽ अन्हकर
ई सब कुछ तऽ ऊ झटके में भुलइले
कहे के मतलब इहे बड़ुए

www.bhojpurisahityangan.com

ऊ कवनो तरह से
अदिमी ना रहले
साँप छुछुंदर गोजर बिच्छी
जवन कहे के बा ऊ
सब कुछ कह दीहीं
साफ साफ बतावत बानीं
आइल बा अइसन समय
अदिमी अदिमी के ना चिन्हीं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

गाँव

जे केहू बेचबाच के
गाँव के खेत बधार
अउरी घर .. दुआर
शहर में रहे लागल
ओह अदिमी के का
कहल जाई ए भाई
नीमन भा पागल
गाँव के तुलना शहर से
केहू कइसे करी
गाँव के खेत में बूंट
कबिली के दाना फरी
शहर के लइका लइकी
ई बात कबो ना जाने
कइसे बोआला मकेआ
आ कइसे किसान सुते
खेत बीच बनल मचाने
खेत खरिहान में कइसे
लगावल जाला खटउर
आ कवन चीज के
कहल जाला राख आ भउर

www.bhojpurisahityangan.com

ना तऽ शहरी बनला से
जिलेबी के बड़ बड़ फैक्ट्री
जगह जगह खुल जाई
धान गहुम के तनिको अन्तर
बबुआ के ना बुझाई
बढ़िया बा शहर में पढ़ीं गुनीं
नोकरी चाकरी करीं
एक बात धेआन में राखीं
कबहिंयों शहरी मत हो जाईं
गाँव तऽ गाँव होला
उहो रोज रोज बदलत बा
तबहियों गाँव के मत भुलाईं
ऊ पुरुखन के जड़ हऽ
ओकरे से ई देह मिलल बा
जड़ के पटावे में बा भलाई।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

परंपरा छोड़ के

हरेक परंपरा के छोड़ के
केहू कइसे रही
छद्म प्रगतिशील बन के
केहू कइसे रही
आपुस में लड़ झगड़ के
केहू कइसे रही
बांग्लादेश में हिन्दुअन के
जबह कब ले होत रही
केकरा भीरी रोई गाई
असहीं जिनगी भर करत रहीं
केहू बतावे हमरा के
का असहीं जीअत रहीं
जमीन से कबो हमार जिनगी
जुड़ल रहत रहे
का असहीं ई बार-बार ओहिजा से
हटावल जात रही
हाय बुझात नइखे अब हम
कहवाँ जाई का करीं
का जिनगी भर असहीं मंदिर से

www.bhojpurisahityangan.com

भगावल जात रहीं
नजर के फेर बदुए अवध
असहीं लोग देखत रही
केहू के हमार चिंता नइखे
कब ले फूटपाथ प जिनगी बीतावत रहीं।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

आज अदिमी

आज अदिमी अदिमी से
काहे घिन्ना रहल बा
काहे अदिमी अदिमी से
आज भिनभिना रहल बा
जीये के राह सब कर
अलग अलग होला
केहू तऽ खेत खरिहान में
पसीना बहा रहल बा
इंसान इंसान से
कब तक नाराज रही
देखते देखत इंसानियत
लुका रहल बा
सबका खातिर तऽ
मालिक के पैगाम एके रहे
केहू केहू आपन आपन
मन के कर रहल बा
कोई आपन घर दुआर से
कब तक अलग रही
मन बेर बेर जाये खातिर
बेचैन हो रहल बा

www.bhojpurisahityangan.com

अयोध्या सदाबरत ना हऽ
लोग हाथ पसार रहल बा
समय के सौदाबाजी
केहू तऽ जरुरे कर रहल बा
खेत में पसीना बहावत बा केहू
केहू खलिसा देख के
हँस रहल बा
एह नजाकत से काम ना चली
केहू के बर्दास्त करे के
शक्ति समाप्त हो रहल बा
का हो गइल बा अदिमी के
केहू के ई बुझात नइखे
आज अदिमी इंतजार कर रहल बा
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

बिजुरी बिल

गाँव बदल गइल
गली बदल गइल
बदल गइल शहरिया
बिजुली बिल चुकावत बानीं
तबो छवले बा अन्हरिया
केकरा भीरी रोईं गाईं
नइखे सुनत केहू हमार बतिया
पैर थाक के चूर हो गइल
ए हमार संघतिया
भूकभूक करत बा बल्ब
आ कबो जरत बा फिलामेंट
जबकि कनेक्शन बडुए परमानेंट
फाइले में रखले बानीं रसीदीया
कुआर के घाम गरमी अजबे बा
पसेना से लथपथ भइल बा देहिया
बुझात नइखे कइसे बीती
हमनी के रतिया
मछरदानी छेदाह भइल बा
सिअलो से ना सिआता

www.bhojpurisahityangan.com

मछरन के बढ़ल बा आबादी
जबे ना तबे घुस जात बाड़े
चुपके से घुसपैठिया।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

बबुआ नाम मत लीहऽ

बबुआ कबो
नाम मत लीह
जाये खातिर दिल्ली
तोहरा के
काट खइहें
बाड़न ओहिजा
तरह तरह के
कुकुर अउरी बिल्ली
भसवो भी कवनो
एगो नइखे
लोगवा बोललन
हरियाणवी पंजाबी
हिंदी भोजपुरी
राजस्थानी भाषा अरु बोली
भाषा बोली के खिचड़ी
बनल बा जहँवा
ओहिजा लिटिओ चोखा
कबो कबो भेंटाला
हाथ में हाथ मिलाके
जहँवा झुंड के झुंड घुमेला

www.bhojpurisahityangan.com

चार सै बीसी में जे माहिर बा
ओहिजा ओकरे होखि गुजारा
बाकी दुनिया से हो जाई किनारा
दिल्ली दिल के गिरवी रख लेली
जे साँचहूँ दिल से दिल में बस जाला
अंतिम बार में ऊ अदिमी त
जरूरे धोखा खाला।

www.bhojpurisahityangan.com

लव-कुश

एक रात हम
सपना में बउआत रहीं
राम जी सीता मइया के
सुतला में जगावत रहीं
उनुका से कहत रहीं
लव आ कुश हमनी के लइका हवन
सगरो संसार में चर्चा में बाड़े जवन
सीता मइया खूब जोर से हँसे लगनीं
तबहियें हमहूँ नींदिया से जगनीं
चारों ओर घूम घूम हम खोजे लगनीं
कतहूँ ना श्रीसीतारामजी के पवनीं
तब हमरा बुझाइल
जहिया अयोध्या जी में
रामजी विरजले रहनीं
ओही दिना लव-कुश
दुनों भाई रामचरित गवले रहले
उहे बतिया के सब केहू
आपुस में बतियावते रहे
जवना के हमहूँ सुनले रहनीं

www.bhojpurisahityangan.com

उहे सब सपना में हमार आवत रहे
सुन्दर-सुन्दर रूप देखि के
सूक्ष्म देह सगरो घूमत फिरत रहे
सपना में मन उहे सब बउआत रहे।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

सभ्य नागरिक

बहुत प्यार से हम
बबुआ बुचिया से कहत बानीं
झाल मुर्ही खरीद के
तू लोग खातिर हम
ले आइल बानीं
पटाखा दुसमनवा से
नाता गोता तुड़े के
तोहरा से कहत बानीं
ओकर फैल जाला सगरो
तब जहरीला धुआँ
ओकरा से दूर दूर रहे के
हम कहत बानीं
फूटे जब पटाखा अउरी बम
तऽ सबकर कान फाट जाला
ओह तड़तड़ाहट से अलगा रहे के
हम कहत बानीं
बाबू माई के मेहनत के पइसा
छने भऽ में बर्बाद हो जाला
ओकरा के बर्बादी से बचावे के
निहोरा हम करत बानीं

www.bhojpurisahityangan.com

कबो कबो फोड़े में पटाखा आ बम
हथवा आँखियाँ लहूलुहान हो जाला
अइसन दुर्घटना से बचाव खातिर
हम कहत बानीं
सभ्य नागरिक बने खातिर
नीमन काम कइल जाला
देश के नाम रौशन करे खातिर
हम कहत बानीं
समय जब सामने खड़ा हो के
सवाल पूछे लागला
तऽ ओकरे जवाब देबे खातिर
हम समझावत बानीं
हम बतलावत बानीं सभ्य समाज में
कइसे रहल जाला
एकरे के बार बार हम
अभ्यास करवावत बानीं
सभ्य नागरिक बने के पाठ पढ़ावत बानीं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

कलजुग

कलजुग आइल बा
कहर बरसइले बा
फेसबुक पऽ तरह तरह के
रूप बनवले बा
दुनिया भर के लोगन के
अपने में फँसवले बा
इज्जत हाल मरजादा सब कुछ
दाँव प ऽ लगवले बा
आपन आपन रंग रूप देखावे में
सब केहू लागल बा
सब केहू एक दोसरा के
कहत ऊ पागल बा
कलजुग आइल बा
नीमनो के बउराह बनवले बा
एक दोसरा के घर में
झूठ साँच बोल के
आग लगवले बा
सभे कथा कहानी गीत गजल
लिखे में अझुराइल बा
कलजुग आइल बा

www.bhojpurisahityangan.com

अजबे माया फैलवले बा
सभ केहू एके में सँऊनाइल बा
जोगी भोगी रोगी
सब केहू एकरे में लपटाइल बा
वाह वाह करत बा एक दोसरा के
एही में सब केहू भुलाइल
कलजुग आइल बा।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

जिनगी

नइहरा में बानीं लुकाइल ए माई,
ससुरा से कब बोलावा आ जाई?
छोड़े के मन नइखे बाप मतारी,
नइखीं चाहत हम गइल ससुरारी,
जानत बानीं जिनगी के का होई गतिया,
संगवा में जइहें ना एको संघतिया,
नइहरे में भजत बानीं राम नाम भारी,
सुनल चाहत नइखीं ससुरा में गारी,
कसहूँ ना बाँचब एक दिन बान्हल जाइब,
हथजोरी कतनो करब चाहे रोइब गाइब,
दुनिया के इहे तऽ हउवे रीति,
संगे चलि जाई राम माया अउरी प्रीति,
छछनत अवध परिवार रहि जइहें,
घटवा से अधिका आगे केहू नाहीं जइहें
अयोध्या अकेला के अकेला रही जइहें।

www.bhojpurisahityangan.com

सनातनी सईयाँ

ए मोर सनातनी सईयाँ
काहे करत बानीं रउआ
हमरा से तानातानी
ए मोर सनातनी सईयाँ
बगल में बइठाई लिहब
बार बार करब जिहब
सुनब नाहीं एको बतिया
करब खलिसा मनमानी
ए मोर सनातनी सईयाँ
धरम के बात बतिआइब
अधरम के पेन्हब जूतिया
संस्कार के ओढब चदरिया
ए मोर सनातनी सईयाँ
धीरे-धीरे छूटल जाता
गँउवाँ के खेतवा बधरिया
ए मोर सनातनी सईयाँ
आइल बा सर्वे गाँव-गाँव
ओहिजा चढ़वा लेबे के नाम
छुटला के बाद खतम हो जाई निसनिया
ए मोर सनातनी सईयाँ

www.bhojpurisahityangan.com

कहत अवध बाड़े ध्यान दे के सुनऽ सईयाँ
नाहीं तऽ रगड़ाय लागी बेमतलब के देहिया
ए मोर सनातनी सईयाँ ।

www.bhojpurisahityangan.com

जमुनिया रंग

जमुनिया रंग जब पहिला पसंद हऽ
तब हमरा के देखि के काहे
भिनकत बाड़ऽ पिया
मीठ मीठ बात बतिया के हमरा से
अब काहे झनझनात बाड़ऽ पिया
कवन बात से सहमत हो के
हमरा के ले अइलऽ समुझावऽ पिया
अब तऽ तूहीं बताव काहे
कुनमुनात बाड़ऽ पिया
रहन सहन सुधार लऽ आपन
काहे जरावत बाड़ऽ हमार जिया
कहत अवध अधरन पऽ लोटत बा
हरदम नाम तोहार पिया
काहे हमरा के करत बाड़ऽ
बेमतलब बदनाम पिया
ई रंग तऽ देले बाड़े विधाता
एकरा के हिया में राखऽ पिया
नइहर सासुर दुई गो जगहिया
अब हमरा के कहँवा भेजबऽ पिया

www.bhojpurisahityangan.com

बार-बार करत बानीं
तोहार गोड़परिया ए पिया
काहे हो गइल बाडऽ तू
निरदइया ए पिया।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

जिनगी बीत गइल

चढ़ते फगुनवा सगुनवा करे ली गोरी
कब अइहें ले के सईयाँ डोलिया कहार
मनवा के मनावत बानीं
गीत गुनगुनात बानीं
बार बार करत बानीं पुकार
परदेशिया विदेशिया
सनेसिया ना ले अइले राम
रहि रहि मनवा में उठे ला लुकार
अबहीं अन्हरिया छवले बा राम
अंजोरिया में अइहें पंडितवा लबार
दिनवा सुदिनवा उचारत विचारत
गुरु के वचनिया होइहें जग में हंकार
जिनगी तऽ बीत गइल
पियवा से भेंटों ना भइल
राजा जी के लागल बा दरबार
ओही दरबरवा से
अइहें दरबरिया राम
पकड़ल जाइब हम राजवा दुआर
ओही रे दुअरिया राम
बइठल बाड़े चित्रगुप्त देव

www.bhojpurisahityangan.com

उहे करिहें हिसाब किताब हमार
धरम करम के खेल रे जिनगिया
अब का होइहें पीटला से कपार
मउज मस्ती में जिनगी तऽ बीत गइल
एहिजा कुटल जाइब धुआँधार
अयोध्या डेराइल बाड़न
नइखन चाहत कुछुओ कहल
करत रहत बाड़े चीत्कार।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

ढोल झाल

नगर नगर में
डगर डगर में
ढोल झाल
बजा बजा के
देत फिरत बाड़े
मुनादी अभिमानी
हमरा से नइखे
केहू दोसर ज्ञानी
तुलसी बाबा
एह बात के सुनके
मुस्कइले आ कहले
दादुर-मेंढक
भर बरसात
टर टर कइले
फेरु पाँकी में घुसिअइले
अयोध्या मन में खुश
तुलसीदास हमार जान बचइले।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

भ्रम में बानीं

बड़े बड़े साहित्यकारन के
देखनीं सुननीं आ पढ़नीं,
केकरो में अहंकार ना पवनीं,
अब तऽ फेसबुकिया
तथाकथित साहित्यकारन के
अजबे लागल बा जमघट,
अइसन लोगन के
लगातार जे पढ़त रही,
आज ना तऽ काल्ह ऊ
पहुँच जाई मरघट,
ई हमार विचार हऽ
जे हरदम साहित्य से दूर रहल बा,
एकरा के पढ़ के केहू के मन में,
चाहीं ना होखे के छटपट,
केहू एकरा के ना समझी चुनौती,
जेकरा भागे के बा ऊ
भागो सरपट,
एक दोसरा के कइल
ठीक ना हऽ नुक्ताचीनी,

www.bhojpurisahityangan.com

आ कबहिंयों ना होखे के चाहीं,
केकरो से कवनो तरह से खटपट,
सब साहित्यकारन से
विनती करत बानीं,
बहुत हो गइल विलंब करत बतकुचन ,
बीपी के दवाई खाये के बा
अब हम डेग बढ़ाइब झटपट
अयोध्या के जब मौका मिली
पढ़िहें आपन जिनगी के रपट।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

अधबूढ़

खंदक खाई लाँघलूँघ के
पास में आइल सजना,
आवते कहलस मुस्का के
ले आइल बानीं कंगना,
मुस्की मारत चुस्की लेत
घर से निकल के अइली अंगना
प्रेम प्रेम रटत रटत हम
अधबूढ़ हो गइनीं,
ना जाने काहे दो हम
प्रेम से भेंट ना कइनीं,
कहे के कबीरो कहले
प्रेम ढाई आखर के होला,
ढाई लाख से अधिका हम
आखर लिख पढ़ गइनीं,
तबहियों ऊ हमरा से दूर रहेला।

www.bhojpurisahityangan.com

डंका सगरो बाजे लागल

गजल गा गा के जे
गवइया भइल,
ऊ तऽ सबके दिल में बस गइल
मंच आपन बना के
खूबे जम गइल,
तालियन के गड़गड़ाहट
तबे गूँज गइल,
नाम के डंका सगरो
बाजे जब लागल,
नाम सुनते लोगन के भीड़
जुटे तब लागल,
अइसन नामी-गिरामी
हस्तियन के सोझा,
अयोध्या सिर झुकावत बाड़े,
आपन शहर में आयोजन करे खातिर,
गजलकारन से निहोरा करत बाड़े।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

दुनिया के मेला में

दुनिया के मेला में बबुआ
अकेले जनि जइहऽ
नाहिये मनबऽ तऽ
बाद में जनि पछतइहऽ
मेला में मत जा नाहीं तऽ
एने - ओने ठेला जइबऽ
ना बा केहू आगा पाछा तोहरा
केनहू धँसोरा जइबऽ
कवन ठीक बा साँझी के
अइब ऽ कि ना अइबऽ
दुनिया के मेला में बबुआ
अकेले जनि जइहऽ
अयोध्या आपन अनुभव
तोहरा के बतावत बाड़े
नाहीं तऽ सतावल जइबऽ।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

शहरिया उदास हो गइल

आज काहे शहरिया
उदास हो गइल
काहे अचके में एकदम
निराश हो गइल
दूरे से जब बुलडोजर के
आवाज आ गइल
तबहियें बुझाइल कवनो
उड़बुड़ान हो गइल
साँस मधिम रहे
तुरंते तेज हो गइल
हाय विधाता के दुनिया में
ई कवन खेला हो गइल
हड़हड़ से झटके में
सब शटर गिर गइल
शहरिया वीरान देखि
माथा घूम गइल
आज काहे शहरिया उदास हो गइल
अयोध्या अंदाजा लगवले रहन
केहू के बतावल
उचित ना भइल।

□□

www.bhojpurisahityangan.com

जिनगी भऽ

पिया हो!
तोहार हाथवा के रेखवा
कहत बा किसान बनबऽ
जिनगी भऽ गोबर माटी सनबऽ
गइया भईंसिया के
नदवा चरनिया पऽ बन्हबऽ
लेले हथवा बलटिया ओह में दूध दुहबऽ
जब जब आई तोहार जनमदिन
तब तब माखन मिश्री खइबऽ
गोशाला में धुआँ कऽ के मच्छरन के भगइबऽ
साँझे बिहाने सानी पानी नादे गोतबऽ
अजबे बा भाग तोहार
प्रभु जी सुन लेलन
तोहार अब गोहार
साँचहूँ किसान बन गइलऽ
आ हमरा अइसन किसानीन के
तू पा गइलऽ
अयोध्या जीअत बाड़े
भागे भरोसे
चाहियो के नाहीं किसान बनले।

▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

चिट्ठी

जब जरुरी होखे तब
बोलवा लीहऽ
कुछ हमरा लायक होखे
तब भेजवा दीह ऽ
मन होखे तऽ प्यार के
बायन बँटवा दीहऽ
कोरा कागज पऽ कुछ लिख के
लुकवा दीहऽ
नैनन से नैनन के मत
कबो लड़वा दीहऽ
खाये के होखे जब अँदेशा धोखा,
तब उनकर लिखलका
चिठिया पढवा दीहऽ
अयोध्या पागल अस बोले ले
इनकर बात के जनि धरीहऽ
जब जइसे जरुरत बुझाय
चिट्ठिया के पढ़ ली हऽ
बाकी कबहिंयो ओकरा के
सार्वजनिक मत करीहऽ ।

www.bhojpurisahityangan.com

अंगुरी बिरावत बा

जग के हाल बेहाल
ना पूछे केहू
बदल गइल चाल
ना पूछे केहू
दुनिया के लोग अंगुरी बिरावे
ना पूछे केहू
मरदाना बन के सगरो घूम अइलीं
ना पूछल केहू
कतहूँ ना पकड़इलीं
ना देखल केहू
कबो हमरा से सवाल
ना पूछल केहू
दर दर ठोकर खा के
गिरल बिआ मरछिया
ओकरा बदे इंसानियत मर गइल
ना पूछे केहू
केकरो जिनिगी में बसंते ना रहे हरदम
अबहीं बा पतझड़ आइल
ना पूछे केहू
जिनगी बीत गइल

www.bhojpurisahityangan.com

मंगरुआ के
छूंछे खा के
कबहिंयों ओकरा से केहू
ना पूछे
मिलल बा सबकर आपन भाग
केहू जीअत बा पानी पी के
केहू खा के रसगुल्ला
केहू आपन जिनगी
पऽ रोवत बा
केहू ओकरा के अंगुरी बिरावत
देखत बा सब केहू
केकरो से पूछे ना केहू।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

गंगा जमुनी

गंगा जमुनी तहजीब
सुनतऽ सुनतऽ
भारत माता के मन
मुरुझा गइल
एक बार लागल रहे नारा
हिंदी चीनी भाई भाई
के जानत रहे धूर्त चीन
भारत में घुसि आई
ओइसहीं गंगा जमुनी
तहजीब कहत कहत
एक बार फेर भारत माता पऽ
आफत आई
देश के जनता बहिर
हो गइल बा
बाद में केहू काहे
खातिर लोर बहाई
आतंकियन के लागल बा बाजार
देश रोवत बा जार-बेजार
केनहूँ बम विस्फोट
तऽ कतहीं पत्थर के चोट

www.bhojpurisahityangan.com

सहत-सहत जनता बेहाल बा
केहू कहत बा
ई गंगा-जमुनी तहजीब
देश के भइल काल बा
ई हरामी पाकिस्तान
बघारत बा झूठहूँ शान
अब तऽ कवनो हाल में
छोड़े के नइखे एकर जान।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

दरकचत रहल आदमी

हर बात में दरेरा
दे रहल आदमी
बेमतलब कुछ
कहत रहल आदमी
बार बार आत्महत्या
कर रहल आदमी
निर्मोही बन के
दिल दरकचऽत रहल आदमी
मन के हरदम मारत रहल आदमी
तबहियों एनेओने
झाँकत रहल आदमी
आपन दिल के दबा के
टिकल बा आदमी
तबो बेवकूफ अस जहर
उगल रहल आदमी
एही से तनावग्रस्त जीवन
जी रहल आदमी
जइसे तइसे जिनगी
बीता रहल आदमी
आपन जिनगी के अमन-चैन

www.bhojpurisahityangan.com

गवाँ रहल आदमी
अब तऽ कवनो कीमत नइखे
बेमोल हो गइल आदमी।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

भइया के सेवा

भाई तऽ उहे हऽ
जे भाई के दुख में
तत्परता देखावत रहल
आपन छोड़ छाड़ के नोकरी चाकरी
भाई के सेवा करत रहल
भगवान भेजले भरत लेखा भाई
जे भइया राम जी खातिर
आपन जिनगी
दाँव पर लगा रहल
ओकर जिनगी के अरमान इहे बा
भइया के हरदम हम देखत रहीं
हँसत बोलत सुखी रहल
चलीं जा मिल आईं जा जिनगी से
जे कबहिंयों सुख से ना रहल
जे कर रहल बा दिन रात संघर्ष
अब ओकरा खातिर मोनासिब बा
एके गोड़ पऽ खाड़ रहल।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

तनिको सहात नइखे

जे काल्ह हमरा के प्यार करत रहे
आज उहे अँखियन के तरेरत बा
जेकर नशा रहे
बिना हमरा से मिलले
रहात ना रहे
आज ओकरे बात तऽ
तनिको सहात नइखे
जेकर बात में बुझात रहे
मिश्री घोरल बा
आज बात बात में
जहर उगिल रहल बा
ओकर नीयत पहिले
बहुते नीमन रहे
आज तऽ बदनीयती के
शिकार हो गइल बा
जे कबहिंयों प्रेम परोसत रहे
आज उहे नफरत से
भर गइल बा
सब समय के बात हऽ अवध
जिनगी जीअल अब
मोहाल हो गइल बा।

□□

www.bhojpurisahityangan.com

माया के बाजार में

माया के बाजार में
सब सजावल बा दुकान
रंग बिरंगा सामान से
देखावत बा दुकानदार
सजा - धजा के
लोग - बाग जात बा
तरह तरह से क के सिंगार
अझुराइल बा मन
माया-मोह में
खोजत बा रंग चटखदार
खरीदे गइल बा
जवन सामान
ओकरा के ना खरीद के
दोसरा में लपटाइल बा
बेमतलब घूमत बा मेला में
पड़ल बा झमेला में
सब कुछ बटोर लेबे खातिर
जीव छटपटाइल बा
सब केहू जानत बा
बटोरला से ना बटोराई

www.bhojpurisahityangan.com

आ ना साथे जाई
तबहिंयो मन मानत नइखे
माया के बाजार से सझुरात नइखे
ओकरा लागल बा बनरमुठकी
छूटते नइखे
रोवे के खूब रोवता
बाकी मुट्ठी खुलते नइखे।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

देहिया धुनाइल बा

गुरुजी दीहीं ना दरसनवा
मनवा घबराइल बा,
दु:ख दरद के मार झेलत
हमार देहिया धुनाइल बा,
एहि दुनिया के गजब तमाशा
हमार सब कुछ लुटाइल बा,
जिनिगी हमार गुरुजी
बोझ ढोवत ढोवत बुढ़ाइल बा,
अब हम कवनो काम के नइखीं
घर के लोगवा अकुताइल बा,
दु:ख दरद से हमार देहिया धुनाइल बा,
गुरुजी दीहीं ना दरसनवा
मनवा घबराइल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

हे भोले नाथ

आदि देव
तू अनादि देव
तू देवाधिदेव
तू महादेव
हे भोलेनाथ!
तोहार दरसन के बा चाह
बतला दीं
हम आई कइसे
पकड़ के कवन राह
सुनले बानीं
रउए हईं औढरदानी
हे बाबा शिवदानी
पहुँची कइसे परबत के ओर
बुझात नइखे
हम सुनले बानीं
राउर नांव के शोर
हे शंभूनाथ।
रउरे हईं रामकृष्ण
रउरे ब्रह्मा बिसुन

www.bhojpurisahityangan.com

रउए हई दुनिया के तारणहार
हे बाबा जगदीश्वर
रउवे हई शिव शंकर
रउवे आदि अनादि
हे बाबा महादेव
रउवे हई जटाधारी
अउरी रउवे सुरसरि धारी
शशि शेखर रउवे हई
हई रउवा तीन आँख धारी
हे नीलकंठ बाबा
रउवे भस्मधारी हई
रउवे कालकूट धारी
नंदी के सवारी हई
रउवे हई नंदीकेश्वर के पुजारी
जगत के आधार हई
रउवे जगद्गुरु कृपालु
बाघंबरधारी हई रउवा
रउवे गरदन में लिपटल ब्यालु
हे बाबा महाकाल
रउवे रौद्रमुखी हई
रउवे तीनों काल के स्वामी
रउवे हई त्रिकालज्ञ
रउवे हई त्रिशूल धारी
रउवे काल महाकाल हई
रउवे सत् श्री अकाल हई
हे अमरनाथ, केदारनाथ!
हे ब्रह्मेश्वरनाथ, वैद्यनाथ!

www.bhojpurisahityangan.com

नागेश्वरनाथ रउवे हईं
हे त्र्यंबकेश्वर, ओंकारेश्वर
मंगलेश्वर रउवे हईं
हे काशी विश्वनाथ
मल्लिकार्जुन रउवे हईं
हे विश्वेश्वरनाथ
आदि शंकराचार्य रउवे हईं
हे राम के ईश्वर रामेश्वरनाथ!
रउवे हईं
हे भगवन! जीवन के जनक
पालक संहारक रउवे हईं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

भगवान के दरबार में

खरच हम करीं
चाहे खरच तू करऽ
पइसवा तऽ चोरीये के हऽ
हिसाब किताब
जे जहिया करे
दुनों के धरा के जाहीं के बा
मारत बानीं जा
बहुत दिन से मउज
अब तऽ मगजमारी करहीं के बा
हम सुनले बानीं
भगवान के दरबार में
देर होला अंधेर ना होखे
अब तक जवन कइलीं भोगहीं के बा
खरच हम करीं
चाहे तू करऽ
पइसवा तऽ चोरीये के ह
का करब
एगो संतोष के बात बा
बहुत लोगन के पास
आय से अधिका पइसवा चोरीये के बा।

▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

हमरो तमन्ना

हमार बड़ुए भरोसा दुलहनिया पऽ
नजरिया टिकल बा झुलनिया पऽ
दुनिया के मरम हम कइसे बताईं
ओकर मनवा के भरम कइसे हटाईं
साँझ सबेरे खिड़की से झाँकेली
कबो कबो दुअरिया पऽ बइठ जाई
आवत जात लोगवा से बतिआवेली
देखि देखि हमरा से रहलो ना जाला
बतिया पचे ना बहरी निकल जाला
देखि देखि हाल अइसन जीव दुखाला
कबो कबो ओकरा पऽ क्रोध हो जाला
मनवा में सोची ना हाय रे जमाना
शुरुए से रहीं हम चौंकन्ना
तबहिंयो ना पूरा भइल
जर बुता गइल सब हमरो तमन्ना।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

पड़ोसिया

दु:ख दरद से भरल संसार बा
हम आपन का दुखड़ा रोईं
आन्हर पूरा दुनिया बडुए जब
हम आपन आँख का देखाईं
कवना काम के करीं शिकायत
हमरा कुछुओ ई बुझाते नइखे
बाकी लोगवा देखत बडुए सब
हाथ गोड़ तनिको बढ़ावत नइखे
आस पास के सभे पड़ोसिया
हमरा के मदत करत नइखे
तिरस्कार के भाव भरल बा
केहू हाथ बँटावत नइखे
मन मार के खाड़ सब बा
केहू तनिको टकसत नइखे
मन चीढ़ के रह जात बा
काहे ई लोग जात नइखे
खलिसा नाम के हऽ पड़ोसिया
श्री सत्यनारायण कथा ना सुने
परसादी खातिर आवला
दुख में जब पड़ जाई ना
तब हँस-हँस के थपड़ी बजावला।

www.bhojpurisahityangan.com

तिरिया

आज के युग में केहू के
समझल बूझल कठिन बा
कवनो बात केहू जानल चाहे
ओकरा के जनावल कठिन बा
कवनो बात से केहू जब रुठे
ओकरा के मनावल कठिन बा
खटत-खटत देहिया
जब खोंखड़ हो जाये
ओकरा के भरल कठिन बा
चुअत-चुअत घरवा
जवन खंडहर हो गइल
ओकरा के ठीक कइल कठिन बा
छींटत-छींटत खाद खेतवा
जब बंजर हो गइल
ओकरा के उपजाऊ बनावल कठिन बा
कोड़त-कोड़त खेतवा
डाँड़ में दरद जब हो जाय
ओकरा के ठीक गइल कठिन बा
खिसियानी जब हो गइली तिरिया
हिसाब लेत-देत
तब उनका के मनावल कठिन बा।

www.bhojpurisahityangan.com

सजाय होखे के चाहीं

बलात्कारी के बख्शी मत
सजाय होखे के चाहीं
दहेज खातिर दुलहिन के
जरावे के ना चाहीं
नारीवादी अभियान देश में
नियमित चलावे के चाहीं
नया-नया तौर तरीका के
उपद्रवियन से दूर रखे के चाहीं
सामाजिक परिवर्त्तन खातिर
जनजन में चेतना जगावे के चाहीं
हर औरत में विश्वास जागे
प्रेरित करे के चाहीं
सरकारी तंत्र सुव्यवस्थित रहे
हरदम सर्तक रहे के चाहीं
देश में कानून के सख्ती से
सब पर पालन करे के चाहीं
बलात्कारियन खातिर देश में
कवनो सहयोग मिले के ना चाहीं
औरतन के मनोबल बढ़ावे खातिर

www.bhojpurisahityangan.com

हर तंत्र के तैयार रहे के चाहीं
स्त्री समस्या समाधान करे में
देर होखे के ना चाहीं
अइसन कठोर नियम कानून बनें
बलात्कारियन के रूह काँप जाय के चाहीं।

www.bhojpurisahityangan.com

पौधा ना लगवलीं

सावन बीतल जाता
अबहीं तक हम एको
पौधा ना लगवलीं
अउरी गलती कइलीं
पौधरोपण खातिर
केहू के ना जगवलीं
भला बताईं कइसे
समाज के काम चली
हमरा सोझा समस्या बा
शहर के वासी हो गइनीं
गाँवे जाये के कवनो
सावंग बुझात नइखे
चुपचाप बइठल झंखत बानीं
एकरा बादो मनवा
हमार मानत नइखे
एने ओने हाथ गोड़ मारत बानीं
बइठल बइठल हम
आवत जात लोगन से
पौधा के गुण बतावत बानीं
अपने तऽ कुछ हमहुँ

www.bhojpurisahityangan.com

करत धरत नइखीं
खलिसा सीधवा अदिमी के
बुरबक हम बनावत बानीं
सावन जा रहल बा
मन छटपटा रहल बा
भाई बहिन लोगन से
पौधा लगावे के कहत बानीं।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

कठवत में धोअब

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी के
मानब हम वचनियाँ
कठवत में धोअब हमहूँ
स्वामीजी राउरी चरनिया
चतुर्मास जहँवा होखत बा
ओहिजा जाइब सुने कहनियाँ
हाथ जोड़ के विनती करत स्वामीजी के
रहें दीं हमरा के कुटिया भीरिया
ध्यान से सुनब गुनब हमहूँ
श्रीमद्भागवत कथा कहनियाँ
राउर महिमा के कतना बखान करीं
थाक जाता जबनिया
श्रीगुरुदेव त्रिदण्डीस्वामी जी के
कृपा प्राप्त रउआ जानत दुनिया
हे परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
राखीं हमरा के आपन शरनिया।

www.bhojpurisahityangan.com

जवइनिया गाँव

शाहपुर के जवइनिया गाँव
गंगा मइया के शिकार हो गइल
पूरा गँउआँ गंगा जी के धार में
विलीन हो गइल
अइसन कटान कबो ना भइल रहे
जान जोखिम में पड़ गइल
खटिया मचिया
लूगा लूगारी
चाउर गहुम
माल मवेशी
सब पऽ आफत आइल
नेता अभिनेता सब अइले
खेल शुरु हो गइल
गाड़ी के रेला पेला ठेला सब कर
भीड़ लाग गइल
एह सब से जनता जनार्दन के
कवनो फायदा ना भइल
भागम भाग के जिनगी
जवइनिया के हो गइल

www.bhojpurisahityangan.com

स्कूल अस्पताल सब कुछ के
गंगा के उफान गँउआँ के उखाड़ के
बहा ले गइल
लोगवा के जिनगी में घोर तबाही मचा गइल
बाढ़ सब कुछ दहा ले गइल।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

मुसीबत में

सबका सामने खूब खुश हो के
नाचल गावल बजावल
मन के कवनो एकहु बात केहू से
कबहिंयों ना छिपावल
लोटा थरिया सब कुछ के
दरिया बहा ले गइल
खाये के थरिया ना केरा के पतई
पानी पीये के दोना मिलल
देख देख के तबो सबकर मन
फूल जस रहे खिलल
अजब-गजब फोटोशूट करवावे खातिर
केहू तनिको ना हिलल
जब हम गुजरत रहीं तऽ
देखनीं सड़क के उदासल
जब दुपहरिया के लवटलीं तऽ
देखनीं कपड़ा पसारल
ओहिजे हम बइठ गइनीं
जब मन ना मानल
तऽ केहू के कंहरल सुननीं
बाकी केहू ना लउकल

www.bhojpurisahityangan.com

जब ओहिजा से डेग बढ़वलीं
कान में आवाज पवलीं
दूध तऽ आज फाट गइल
दूधिया खेला कर गइल
गाँव-घर के कुछ बात
चाहत बानीं कहल
जब घूमघाम के गइनीं
देखनीं चहल-पहल
हाथ जोड़ के निहोरा कइनीं
हमहूँ चाहब कवनो टहल
एह बात पऽ केहू के
मुँह ना खुलल
एक बेर फेरु हम कहनीं
नीमन काम बा कमजोर के
आवाज बनल
जे केहू मुसीबत में बा
बढ़िया बा ओकर जान बचावल।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

जगत के आधार स्वामी जी

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी हई जगताधार
करम धरम से बुझात बा सबका
स्वामीजी हई अवतार
चमचम चमकत बा चेहरा मोहरा
अँखियो चमकदार
माई सरस्वती के किरपा से बा
वाणी वजनदार
संत समाज में गिनती होत बा
स्वामीजी समझदार
उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक
करत बानीं धर्म प्रचार
हम सबका के हरदम पढ़ावत बानीं
उत्तम बा सदाचार
अनुशासित आचरण अपनावे सब केहू
हो जाई जीवन पार
परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी हई जगत आधार
दासअयोध्या स्वामी जी के चरनन में
करत बाड़न सादर नमस्कार।

www.bhojpurisahityangan.com

सरकार अझुरावत बा

हाथ गोड़ में बान्ह के करिया पटी
जंतर-मंतर पऽ कब तक धरना दिआई
संसद के बिना घेरले ममिला ना फरियाई
बइठत बइठत बीत गइल जमाना
आवत जात लुटा गइल
जनता मिलल ना हर्जाना
आपन सनेसा भेजवावे खातिर
लूट मचल बा
जब जनता के बात होखत बा
खाली बड़ुए खजाना
हाय रे दुनिया मन के मातल
कमजोर समुझ के बा ठुकरावल
जब काम करे के कहल जाता
तब सरकार अझुरावत बा
नइखे बुझात कइसे समुझीं
लउकतो बा ना उपाय
भोजपुरी भाषा बढ़त रही
बढ़त रही बड़हन समुदाय
एकरा से कवनो नइखे
नीमन एको दोसर उपाय।

▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

सेवा करब

हरि जी!
हम तऽ राउर सेवक हईं
मन से सेवा करब
कबहिंयों ना हम माँगब
एको पइसा दरब
रउआ बानीं तऽ सब कुछ
बा अरब खरब
रात दिन रउआ संगे रह के
चरन दबाइब
मानसिक तनाव हलचल के
हमहुँ भुलाइब
जीवन सँवर जाई हमरो तऽ
बहुते सुख पाइब
हरि जी!
हम तऽ राउर सेवक हईं
घूम घूम के सगरो
रूप गुण के गीत गाइब।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

राखी

राखी रक्षा सुरक्षा संरक्षा के
अद्‌भुत तेवहार
बहिनी खातिर भाई मन से
रहे ला तइयार
आजीवन रक्षा करे वास्ते
करे ला संकल्प
हरदम सुख दुख में हाजिर रहे
बिना कवनो विकल्प
भाई के कलाई पऽ बहिनिया
बान्हे ली राखी
देवगन सब कुछ देखत रहले
बन के साखी
आरती उतार के मिठाई खिआवे
लिलार पऽ चंदन लगा के
भइया खातिर भगवान के मनावे।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

ओरहन

तू जब जब आवे लू
हड़बड़िए में आवे लू
भारी मन से आवे लू
खलिहा हाथे कबो ना
ओरहन ले के आवे लू
हमरा तोहरा कब के बैर
झूठो काहे सतावलू
तोहरा के देखि के बुझाला
कवनो ममिला ले के आवे लू
तन मन से कमजोर जान के
तू शान से गरजत आवे लू
साँचहूँ हम मुँहदूबर बानीं
ठीक कऽ देब हमरा के धीरावलू।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

चाह बा

हर फूल के चाह बा
हमहूँ देवी देवता के
माथ पऽ चढावल जइतीं
उनुके साथे साथे
हमहूँ पूजाइल जइतीं
अगल बगल देखते रहि जाइत
हमहूँ भाग्यशाली कहइतीं
देव मंदिर में हमहूँ रहतीं
कीचड़ में कबहिंयों ना सनइतीं
हे हरि जी!
हमार चाहना इहे बा
एकरा के पूरा करइतीं
पुरुब जनम के
पाप-शाप से
हम मुक्त हो जइतीं।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

खतरा जनि खरीदऽ

खतरा जनि मोल खरीदऽ
जान पऽ बन आई
धर्मपत्नी के विश्वास में रखीहऽ
नाहीं तऽ ठन जाई
जिनगी में चरित्र सब कुछ बबुआ
नाहीं काम बिगड़ जाई
राजा रानी भइला से कुछुओ ना
समय समाज बताई
इंसान इंसान तबहिंये रह सकत बा
जब ले इंसान के समझ पाई
धोखाधड़ी में बेमतलब लपटा के
एक दिन लंपट बन जाई
समय सरकत रही सरपट दौड़ से
हाथ कुछुओ ना आई
दरबारी लाल सिर के बाल नोचीहें
माथे पऽ बदनामी छाई
कहत अयोध्या विचारवान बने के
नाहीं तऽ जीवन दुखदाई।

▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

समुझावत रहीं

हे परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
धरम के रहिया चलावत रहीं
करम करे के उपदेशित रउआ
भुलाइल डगरिया बतावत रहीं
कुसंस्कारियन के भीड़ भइल बा
सुसंस्कारवान बनावत रहीं
बीत रहल बा विषम समइया
सबका के समुझावत रहीं
अनुशासनहीनता पऽ रोक लगा के
सब केहू के अनुशासित करत रहीं
समाज में फैलल कुरीतियन से
सब केहू के दूर हटावत रहीं
परिवर्तन के अइसन समय में
सबका के गतिशील बनावत रहीं
रउआ पऽ भरोसा हमार बा
कृष्ण जइसन अर्जुन के पढ़ावत रहीं
परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
दास अयोध्या के कबो मत दूर करीं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

लड़त-झगड़त

जव खा खा के
भव सागर पार
हो गइनीं
अब नइखे कवनो
चिंता फिकिरिया
रे सजनी
दिन खुशामद से
बीत गइल
बीत गइल लड़त झगड़त
हो रजनी
अब तऽ पव बारह बा
स्वर्ग से आइल खबरिया
रे सजनी
दु गो प्रोफेसर के
पद खाली भइल बा
होखे वाला बा जल्दी भरतिया
रे सजनी
हमार बहाली विज्ञान में
तू देखइह आपन कलकरिया
रे सजनी

www.bhojpurisahityangan.com

आवे वाला बा बिमान तुरंते
सब कुछ कर लऽ तइयरिया
रे सजनी
राम भरोसे जेकर जिनगी बा
हरन हो जाई सब ओकर दरदिया
रे सजनी।

www.bhojpurisahityangan.com

हे गंगा मइया

हे गंगा मइया
हम करीना पुजइया
काहे गँउवाँ उजाड़ गइनीं
राजा सगर के
साठ हजार लइकन के तार दिहनीं
हे गंगा मइया काहे
हमार गँउवाँ उजाड़ गइनीं
मन के पाप हम कहत बानीं
काहे राजा आ रंक में भेद कइनीं
हे गंगा मइया!
काहे हमार गँउवाँ उजाड़ गइनीं
हाथ जोरि बिनती करत हम
काहे ना गलतिया के माफ कइनीं
हे गंगा मइया .....।

www.bhojpurisahityangan.com

बाँचल रहे मानवता

जय जय परमपूज्य श्रीजीयरस्वामीजी
जगतवंद्य रउआ बानीं
सुना सुना के परम पावन भागवत
सुसंस्कृत बनावत बानीं
जेकर जिनगी बा जइसे तइसे
ओकरा के सँवारत बानीं
बिगड़े नाहीं पीढ़ी दर पीढ़ी
एकर चिंता करत बानीं
बाँचल रहे मानवता धरती पर
पशुता से बचावत बानीं
पुण्यप्रतापी परमपूज्य श्रीजीयरस्वामीजी
सदाचारी बनावत बानीं
प्रदूषित मन निर्मल करे खातिर
श्रीमन्नारायण के भजत बानीं
शीश झुका के चरनन में हम
विनती करत बानीं
दास अयोध्या जीअस जब तक
करत रहीं उनुकर निगहबानी।

www.bhojpurisahityangan.com

हीरा-मोती

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
नवयुवकन के समझाई
सुपथ पऽ चले खातिर
छोड़हीं के पड़ी बुराई
समय तऽ हीरा मोती हऽ
ओकर पहचान कराई
एक बेर जे राह से भटकी
दोबारा मुश्किल हो जाई
दोष दुर्गुण से बचे खातिर
सबका के उपाय बतलाई
मानवता मरे ना कबहिंयों
मानव जीवन के महत्त्व सुनाई
बढ़त ज्ञान विज्ञान के युग में
अंधविश्वास से मन हटवाई
समाज कल्याण करे खातिर
रचनात्मक काम में रुचि बढ़ाई
दास अयोध्या विनय करत
गलतियन से बचे खातिर स्वामी जी
सबका में सुंदर भाव जगाई।

www.bhojpurisahityangan.com

तोता

तोता एगो
सुंदर चिड़िया
रंग हरियर
तोता आपन
रंग रूप आ ठोर पऽ
गुमान करे ला
आवाज खूब मीठ
एही से
मीठू कहल जाला
तोता के
एगो दोसर नाम सुग्गा
मुहावरा बा
बूढ़ सुग्गा पोस ना माने
अउरी कवनो नायिका के
नाक के कहल जाला
सुग्गा के ठोर अइसन बा
सुग्गा घोंसला ना बनावे
बाग बगीचा में
पेड़ के खोंढरा में
बाल बचवन संगे रहे ला

www.bhojpurisahityangan.com

कुछ लोग बचवन के
निकाल के
पोसे ले जाला
जइसे जइसे
बड़ होत जाला
उन्हकर आवाज
तेज हो जाला
तोता रूपवान होला
एही से
रूपु कहल जाला
तोता के बड़ गुण बा
अदिमी जइसन बोले के
पोसुआ तोता के
जवन सीखावल जाई
उहे बोली
एही से कहल गइल बा
तोता रटंत
जवन सुनी उहे कही
कवनो कवनो
कथा कहानी
कविता उपन्यास में
दूत के रूप में
भूमिका निभवले बा
पद्मावत में तऽ
हीरामन के नाम से बा
शुक – शुकी संवाद
जवन नासिकेतोपाख्यान के

www.bhojpurisahityangan.com

रूप में प्रसिद्ध बा
शुक सुग्गा हो गइल
आ
शुकी सुग्गी बन गइल
भाषा विज्ञान में
क..... ग में कहीं कहीं
बदल जाला
हमरो घरे
कबहिंयों सुग्गा
पोसाइल रहे
राम राम कहत रहे
अउरी जवन जवन सुने
उहे हरदम बोले
एक बे
माई आ चाची में
झगड़ा भइल
गारागारी भइल
तोता के सब याद हो गइल
अब उहे गारी
गड़नी मुअनी रटे लागल
घर में अलगे
ई समस्या खाड़ भइल
चाची आ माई
परेशान
घर में जे आवे
सबका के सुनावे
दुनो जानी

www.bhojpurisahityangan.com

हो गइली पानी पानी
तोता अब
कंठफोर हो गइल बा
तोता के गर्दन पर जब
लाल आ नीला रंग
दिखाई देबे लागला
ऊ तोता जवान हो जाला
केकरो ना सुने
आपन मन के काम करे लागला।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

भेंड़ चाल

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
भारत माई से नेह लगवले बानीं
वीर सपूतन खातिर शान ईमान
सुझावत बानीं
जिम्मेदारी से भागे वाला के
जिम्मेदार बने के कहत बानीं
पुरखन के मान सम्मान बढ़त रहे
याद करे के कहत बानीं
भारत भर में घूम घूम के जीवन जीये के
अभियान चलावत बानीं
नशा से मुक्ति मिले भारत के
भगवान के कथा सुनावत बानीं
भारत के हवा पानी साफ सुगंधित रहे
यज्ञ करावत बानीं
भेंड़ चाल से कुआँ में गिरे के डरे
विवेक से चले के कहत बानीं
दास अयोध्या विनय करत
स्वामीजी हम रउआ शरण में बानीं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

धुन के पक्का

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
धुन के आपन पक्का हई
संन्यासी होखे के कारण धुनि
ना रमाई
करत बानीं चतुर्मास परमानपुर में
सबका के कथा सुनाई
मान सम्मान से बहुत ऊपरे बानीं
सभे करे बड़ाई
देश भर में जहँवा होखे संत समागम
आपन फर्ज निभाई
विश्वास से भरल पूरल स्वामीजी
हार कबो ना मन में लाई
आन्ही पानी कतनो आवे
दिनचर्या में कमी ना लाई
उत्साहित करे के भावना सबका के
बतलाई
पुरुषार्थी बन के जीये खातिर सबका
पाठ पढ़ाई
भगवान के संतान हई हमनी के
उनका के मत भुलाई
दास अयोध्या विनय करत बा
हमरा के राह देखाई।

www.bhojpurisahityangan.com

नारायण

नारायण के कथा क्रम में
परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
बतलावत बानीं नारायण उत्पत्ति
सृष्टि में जब कुछुओ ना रहे
तब रहीं नारायण जी संपत्ति
कवनो दोसर रहे ना शक्ति
जे हरण करे सृष्टि के विपत्ति
चारों ओर जल प्लावन देखि देखि
उत्पन्न भइली शक्ति
पानी पानी सब भइल रहे सृष्टि
पनिये में नारायण वास रहे
जइसे जइसे काल बीतत गइल
नारायण से आह्लादिनी
तबहींये से नारायण साईं जी
लक्ष्मी नारायण भइनीं
लक्ष्मी जी बार बार करत रहीं निहोरा
सृष्टि के विस्तार करीं
नारायण साईं सुन सुन के विनय
मन में मुस्कात रहीं
लक्ष्मी जी से नारायण जी कहनीं

www.bhojpurisahityangan.com

लोग करे लागी मनमानी
तबहियों लक्ष्मी जी जिद पऽ रही
भइल आकाशवाणी
भगवान के नाभि से कमल खिलल
ओह से बालक निकलल
बालक रहे चकचिहाइल हम के हई
चारों ओर से गर्दन घूमा घूमा के पूछे
पहिले से मुँह एगो अब पाँच भइल
सृष्टि में पहिला जीवन जब धरती पऽ
ऊहे ब्रह्मा कहाइल
बालक ब्रह्मा जी तप करे जब गइनीं
ओकरा बाद ब्रह्माण्ड के सृजन कइनीं
एही तरह से बनावत रहलीं पिंड पऽ पिंड
धरती सूरज चाँद सितारा
ग्रह नक्षत्र सहित सब जीव बनावत रहनीं
ओही नाव पऽ दास अयोध्या के बइठा के
सात समुंदर पार भेजवइनीं
हे परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी
हमरा जइसन पतित के पावन बनइनीं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

आजादी

उन्यासी बरिस के भइल आजादी
हटि गइल देहिया से खादी
देखि दुर्दशा रोवत बाड़े देशवासी
के बचाई होखे से बर्बादी
पागलपन सवार हो जाला जबहीं
बतकुचन में पड़े तिरंगा
देश विरोधी दुश्मन दुनिया में
जबे ना तबे लेबे पंगा
भारत माई से छेड़छाड़ करे से
बाज ना आवे कबो लफंगा
भारत माई से प्रार्थना करत हम
तोहरा पऽ कवनो आँच ना आई
देशद्रोहियन के मार भगाइब हम
भारत माई के रक्षक नइखन कम
भाग परइहें सब के सब खुशामदी
नया भारत बनावे खातिर हमनी के
बचावहीं के पड़ी मिलल आजादी
हर हाल में बचावे के पड़ी
त्याग-बलिदान से आइल आजादी।

www.bhojpurisahityangan.com

अध्यात्म के शक्ति

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी महाराज
बतलावत बानीं अध्यात्म के शक्ति
सदा स्वस्थ आ सुखी उहे बा
जे करत रहत बा नारायण के भक्ति
तप त्याग वैराग्य के ताकत से
भाग जाला आसक्ति
गुरु ज्ञान जेकरा जेकरा जीवन में
भर जाला विरक्ति
एक दिन अइसन समय आ जाई
ऊ बन जाई उपकारी
ओकर कबहिंयों बिगाड़ सकत ना
कतनो संकट भारी
जीवन के नियमित संयमित जे रखी
मनोबल से भरल रही
ओकरा मुँह से निकलबे करी हरदम
बढ़िया बात सही-सही
तीर्थ व्रत जे करत सुनत कथा बा
शुद्ध रही चिंतन
श्री लक्ष्मीनारायण भगवान में भरोसा
बनल रही हर दिन

www.bhojpurisahityangan.com

परमपूज्य श्रीजीयर स्वामी जी
दास अयोध्या कहत
भँवर जाल में हम फँसल बानीं
अपार दुख सहत।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

मेंहदी रचावल हाथ

मेंहदी रचावल हाथ रहे कबो
अब ऊ कटार चलाई
समय बीतल बात बनावे के
अब दुर्दशा देखल ना जाई
भारत माई के किरिया खा के
दुश्मन से करब लड़ाई
भारत के नारी शक्ति हम सब
अबला काहे कहाई
झाँसी के रानी के देखले बानीं
घोड़ा पऽ करे चढ़ाई
रानी अहिल्याबाई होलकर के
सुनले बानीं कहानी
शत्रु दल के ललकारत रहली
सब भइले पानी पानी
हमहूँ अब सजल धजल छोड़ के
युद्ध क्षेत्र में जाइब
ओहिजा फेंटा बान्ही के उतरब
दुश्मन मार भगाइब
हथवा में मेंहदी अब ना रचाइब
हमहूँ कमर कसले बानीं
ढाल तरुआर खूब चलाइब।

www.bhojpurisahityangan.com

महँगाई

महँगाई के भार ढोवत ढोवत पीठ पऽ
कमर झूक गइल
अब तऽ ढोवे के अइसन आदत भइल
पीठ पऽ कूबड़ निकल गइल
महँगाई जाई आ सस्ती आई
बाकी पीठ के कुबड़ रहि जाई
हे ईश्वर दिन ऊ कबहिंयों ना आई
जब बइठल घर में केहू खाई
खटत खटत देहिया खटवासल बा
तबहियों दरद ना कम होई
जिनगी बीतल जात हमार अब
महँगाई से कबहुँ पिंड छूटि ना पाई
बताई कइसे सजनवा तोहरा से
लहसुन प्याज के दाम रोवाई
घीव तेल के हाल जनि पूछीं
कइसे खरीदीं महँगा दवाई
महँगाई के दलदल में धँसते बानीं
नइखीं निकल सकत ओकरा से
ओह में अउरी फँसते बानीं
महँगाई के मार झेलत झेलत

www.bhojpurisahityangan.com

लइकन के छूटल पढ़ाई लिखाई
सरकारी साइकिल आ खिचड़ी से
सुबहित काम ना बन पाई
रंग बिरंगा फूल जइसन चकचक में
मनवा मोरा जात बा भुलाई
आइल बा महँगाई तऽ अब ई
हमनी के छोड़ के कबहिंयों ना जाई।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

सीमवा पऽ सजनवा

सीमवा पऽ सजनवा हमार
तहलका मचइले बा
नदी जंगल लाँघि लाँघि के
हलचल मचइले बा
काट काट के छाँट छाँट के
पहाड़ पऽ राह बनइले बा
हाथे बनुकिया तानि तानि के
दुश्मन के डेरवइले बा
शेर जइसन झपटा मार मार के
शत्रु के जीअल मुश्किल कइले बा
जे देत बा पहरा जाग जाग के
सीमवा पऽ बम बरसइले बा
दुश्मन के छाती में बरछा घोंप के
खून से सीमा के लाल कइले बा
तोहरा मर्दानगी प ऽ भरोसा सब के
जे भारत माई के सपना पूरा कइले बा।

www.bhojpurisahityangan.com

समय

जीवन में जतना दुख आवे
सबका के सहन कर रे भाई
मगर कबहिंयों तू समय के
पुतला दहन मत करीहऽ रे भाई
दुख तऽ आपन रंग देखा के
सुख के रूप में लवटि आई
समय के पुतला दहन कइला से
काल के का बिगड़ जाई
ई जग हऽ दुख सुख के सागर
बारी बारी से आई जाई
समय के पुतला तऽ कबो ना जरि
उलटे तोहरे हाथ जरि जाई
दास अयोध्या विनती भगवान के
करत करत भलहीं थक जाई
दुखिया बनि के रही दुनिया में
दुख से कबहिंयों ना अझुराई।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

शिकार हो गइल

जब ले देहिया में कूबत बा
तब ले घूम फिर लऽ भइया
जांगर जहिया थाकि जाई
ना चढ़ि पइबऽ कबो कन्हैया
बरसल बदरी अस पतरा जइबऽ
रहि ना जाई केहू पुछवइया
समय बड़ा बलवान बा भइया
हँसि हँसि के जी जइहें सब
नऊआ अउरी बरिया
जब चोट खा-खाके
घवाहिल हो गइल जिनगी
गिरल ना तिलमिला के
चलत रहि गइल जिनगी
चोट जहँवा रहे
ओहिजा जखम हो गइल
देखभाल के अभाव में
पिलुआ गइल जिनगी
ताना सुनत-सुनत
घठाहुर हो गइल जिनगी
सेवादार केहू रहल ना
उपेक्षा के शिकार हो गइल जिनगी।

□□

www.bhojpurisahityangan.com

उझुकुन

जइसे चूल्हा पऽ बर्तन
जब डगमगाय लागला
तऽ ओकरा पेना में उझुकुन लगावल जाला
हिलल डोलल तब बंद हो जाला
ढहल ढिमलाइल जिनिगियो उझुकुन खोजला
कबहिंयों मिल जाला कबहिंयों असहीं रह जाला
बुढ़ापा के देह संभार ना पावे करवट जाला
कबो डाँड़ तऽ कबो कूल्हा छटक जाला।
कबो कबो आँख के देखलको पऽ
भरोसा ना होखे
एह से कि लोग कहेला कबो कबो
अँखियो धोखा खा जाला
अइसन कुछ हो जाला जवना से ऊ
चकमका जाला
एही से छाती पऽ हाथ धऽ के
पूछ लेबे के चाहीं
जवन भीतर से आवाज निकले
ओकरे पऽ विश्वास कइल जाला
एकर नतीजा ई होला कि
अदिमी धोखा खाये से बच जाला।

▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

महेन्दर मिसिर

ताल तुक लय छंद ना जनलीं
ना जनलीं पदबंध
पूर्वज लोग जवन फूल सूँघ के
ढेला में फेंक देले बा
ओही फुलवन के हम
लेत बानीं सुगंध
मन हिलोर मारत बा
कुछ गुनगुनाइल
कुछ गावल चाहत बा
महेन्दर मिसिर जी के जयंती पऽ
गुनगान कइल चाहत बा
आज हमार
समाज सूतल बा
ऊ बहिर भइल बा
ओकरा के जगावे के
केकर बा जिम्मेदारी
मौका बे मौका सभे
आपन माँगत बा हिस्सेदारी
भला बताई जा
रउवा सभ से पूछत बानीं

www.bhojpurisahityangan.com

हमहुँ एगो सवाल
याद करीं जा
कांही मिश्रवलिया के
जे भुलाइल बाड़े
महेन्दर मिसिर लाल
आई जा हमनी सभ मिलि के
जयंती पऽ याद करीं जा
भारत माई खातिर जे काटल जेहल
ओकरा खातिर
हम सभ संवाद करीं जा
गीत गवनई शेरों-शायरी
जेकर रहे जान परान
हमनीं के ओकर गुन के
करीं जा बखान
अंगरेजन के छाती पऽ
जीवन भर जे मूंग दरल
जे देश खातिर दुख सहल
रउवे सभे बतलाईं हमरा के
काहे ऊ सपना हो गइल
हमनी के किरिया खाई
कबहिंयों ना उनका के भुलाईं
समय से चलीं समय के अपनाईं
समय से महेन्दर मिसिर से जुड़ जाईं
मिसिर जी के सूतल
नाती पोता के जरुर जगाईं
जीवन भर जे हर मोरचा पऽ
लड़त रहि गइल जंग

www.bhojpurisahityangan.com

ऊहे आजु काहे भइल बा
आपन लोगवा से तंग
जागीं जा जगाई जा
मिसिर जी के संदेश
सगरो पहुँचाई जा
समाज आ संगीत के
जे महल बनवले रहे
अब ऊ समय आइल बा
ओकरा के सजाई जा
सीआईडी इंस्पेक्टर गोपीचंद
नौकर बनि के जे कइले पहचान
देखि के उनकर चाल चलन
अउरी काम धंधा
सब का से कहले रहले
गजब के मरद मिसिर रहन महान
आज जयंती पऽ हमनी करीं जा गुनगान
नोट छाप के कवनो गुनाह ना कइलन
क्रांतिकारियन के जरुरत पूरा कइलन
राष्ट्रहित का कहल जाला
गोरन के बतलवलन
ओही केस में कलकत्ता जेल में गइले
एगो समय अइसन आइल जब ऊ
जेलर के कृपा पात्र बन गइले
जेलर के कहनाम पऽ मिसिर जी
बेटी के संगीत सिखावे लगलन
बेटी जब पारंगत हो गइल
तब ओकर किरपा से

www.bhojpurisahityangan.com

तीन साल पहिलहीं
जेल से रिहा हो गइलन
आईं जा हम सभ मिल जुल के
महेन्दर मिसिर जी के
जयंती मनाईं जा
जवन रहिया देखा के गइले
ओही पऽ अपना के चलाईं जा
उनुकर गीत उन्मुक्त भाव से गाईं जा
देश सही दिशा में ले जाईं जा।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

सब हवा हवाई हो गइल

लइकन के समुझावत बहुत दिन हो गइल
बबुअन के मनावत बहुत दिन हो गइल
केहू सुने खातिर तनिको तइयार नइखे
अभिभावकन के हाल बेहाल हो गइल
गाँव छोड़ि के शहर में पढ़ावे आइल रहलीं
शहरिया हवा में सब कुछ बर्बाद हो गइल
करजा उधार ले ले बानीं कर्जदार से
अब कइसे चुकाइब हम बोझ हो गइल
हमरा पास बहुत खेत बधार कहँवा बड़ुए
थोरिका जवन रहे ऊ सब रेहन हो गइल
अब तऽ गाँवहूँ जाय लायक ना रहलीं
हमार घरवो तऽ अब गिरवी हो गइल
जवन आसा विश्वास पऽ फउकत रहलीं
देखते देखत ऊ सब हवाहवाई हो गइल।

www.bhojpurisahityangan.com

विस्फोट करबे करी

आवाज के आवाज रहे के चाहीं
दबवला से का फायदा
समय पऽ ऊ विस्फोट करबे करी
नुकसान होखी ज्यादा
मालामाल होखे खातिर हरदम होत बा
आपुस में मारा-मारी
कहँवा रह गइल बा
साँचहूँ में केहू के पास
तनिको ईमानदारी
मुसीबत के धता बतला के
केतना दिन ले बाँचल रही केहू
जवन बकाया भुगतान करे के बा
वसूल करे पटवारी अइबे करी
अपना आप के केहू कबहिंयों
कमजोर महसूस ना करे
नाहीं तऽ जेही ना तेही खेत बधार पऽ
करहीं लागी आपन दावादारी
बेमतलब के अझुरा लाग जाई
बखेड़ा खड़ा होइबे करी
मारपीट के बाद तऽ अइबे करी

www.bhojpurisahityangan.com

थाना पुलिस अइबे करी
लफड़ा बढ़े में कवनो देर ना लागे
खाड़ हो जाला बवंडर
तब साँस ऊपर नीचे होखे लागला
मन डेरा जाला बने मत विनाशकारी
पुलिस जाँच करे आइल तऽ
जाँच पड़ताल करबे करी
जब जाये लागी गाड़ी भाड़ा नाश्ता पानी के
हिसाब देबे करी।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

अहंकार

अहंकार मन से निकलत नइखे
जिनगी छटपटाइल बा
जे केहू मददगार रहे हमार ऊ
सब लोग छितराइल बा
बीच-बीच में खोज खबर कबो
लेबे वाला गुरमुसाइल बा
आपन मन के हो गइला से
सभे अकुलाइल बा
किस्मत के धनी भइला के बादो
काहे राह भुलाइल बा
अति महत्वाकांक्षी होखला से
सब कुछ गड़बड़ाइल बा
जे अपनो कहे दोसरो के सुने
ऊहे राह पऽ आइल बा
एही जगहिया पऽ बात बनिहें
जे सबका पसंद आइल बा
सब विवाद अब खतम हो जइहें
सही राह पकड़ाइल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

मेला घुमावल करीं

नई नवेली के मेला घुमावल करीं
थकला पऽ तेल लगावल करीं
ई जमाना के दस्तूर हो गइल बा
जरुरत पऽ उनुका मनावल करीं
केहू के कवनो ठेकाना ना बा
ओकरा के सही सही बतावल करीं
भीड़ में जाय खातिर कबो जिद ना
ओकरा के ठीक से समझावल करीं
नसीहत देत बानीं कहिए से हम
रउओ ओकरा के राह देखावल करीं
आज ना तऽ काल्ह बतिया बुझाई
ओकर मनवा के भरम मिटावल करीं
बाजार में बिकाता किसिम-किसिम के सामान
जरुरत के हिसाब से खरीदावल करीं
इंसान काहे समझे पऽ तइयार नइखे
ओकरा पऽ प्रभुजी किरपा बनावल करीं
काहे केहू हरदम ललचाइल रहत बा
ओकर मन के थिर तऽ करावल करीं
कवनो तरह से ऊ परेशान बाड़े तऽ

www.bhojpurisahityangan.com

उनुकर काम में हाथ बँटावल करीं
प्रेम से बोल बतिआव ए मोर सजनी
आपन मुखड़ा से घूँघट हटावल करीं
कवनो तरह के शिकायत नइखे
अब हमरा के जनि अझुरावल करीं
मेला बजार घुमाइब कब से हमरा के
एही जे बइठ के थकान मिटावल करीं
काहे बहुत दूर तक घुमावत अयोध्या
चाहत बाड़ऽ इनका के थकावल करीं
भरोसा दिलवले रहलऽ ओह दिन तू
बताव कइसे हम भरोसा टिकावल करीं
कहले रहऽ ओह दिन हमरा से तू
अब काहे मनवा के भटकावल करीं
विश्वास से कवनो बड़ चीज नइखे
हमरा के जनि रउआ फुसिलावल करीं
चउथापन तोहार आइल बा सईयाँ
तबहियों मन करे धकिआवल करीं
आज हम तीज भूखल तोहरे खातिर
मन करे हाथ पकड़ के टहलावल करीं
बाबा भोलेनाथ के किरपा बनल रहे
माई पार्वती के भाग्य हम पावल करीं
मन के बहकावल ठीक नइखे बुझात
अब तऽ हरिजी के शरण में ठहरावल करीं।

www.bhojpurisahityangan.com

जिनगी के हाल

का कहीं जिनगी के हाल
कुछ गड़बड़ा गइल
आपुसे में टकरा के
जख्मी हो गइल
अइसन उम्मीद ना रहे कबो
अचानक गजबे हो गइल
जिनगी के एगो अरमान रहे
ऊ धुआँ-धुआँ हो गइल
कबो फूल फुलाइल रहे बाग में
आन्हीं से तहस-नास हो गइल
गुलाब जइसन हँसत रहे जिनगी
ऊ काँट-काँट हो गइल
जवन राह पऽ चलल रहे जिनगी
ऊ राह ऊबड़-खाबड़ हो गइल
जवन मंजिल तक पहुँचल चाहत रहे
ओहिजा पहुँचल कठिन हो गइल
जिनगी के सफर में जे केहू मिलल रहे
दुर्भाग्यवश ऊ अनजबी हो गइल
अंजान से नाता जोड़े के मन रहे

www.bhojpurisahityangan.com

बाकी उहो दरकिनार हो गइल
जिनगी बीत गइल कवनो तरह से
सुखवो- सुख ना रहल ऊ दुख हो गइल।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

जग्य

परमानंदपुर गँऊवाँ बड़ सुनर लागत बा
जहँवा श्रीजीयरस्वामीजी महाराज के
लोगवा साष्टांग दंडवत प्रणाम करत बा
चतुर्मास व्रत जग्य बा ओहिजा ठनाइल
स्वामीजी महाराज के पावन महिमा से
देश-विदेश के लोगवा हजार लुभाइल
वातावरण में सुख शांति छवले बा
जहँवा चार महीना भागवत कथा कहाइल
जग्य खातिर जलजतरा जब निकलल
अनगिनत हाथी घोड़ा आइल
बड़ बड़ पंडित जग्य करावत बानीं
सब कुछ श्रीस्वामीजी के नजरी समाइल
गुरुदेव श्रीत्रिदण्डीस्वामी जी देखत बानीं
एही से श्रीजीयरस्वामीजी में शक्ति आइल
गुरुदेव जी के चरणकमल में प्रणाम करत
दास अयोध्या के मनवा बा अघाइल।

www.bhojpurisahityangan.com

भाग जागल बा

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी के किरपा से
परमानपुर के भाग जागल बा
चार महीना श्री मद्भागवत कथा सुन सुनके
जीअल मुअल प्रेत पिसाच सब भागल बा
बाँचल खुँचल जे कतहुँ होखी
जग्य के धुआँ संगे मिल के
आपन आपन तेज से जुड़ जाई
अउरी स्वाहा स्वाहा आवाज सुन के
दउड़ल देवता के शरण मे जाई
परम संत श्री जीयरस्वामीजी
धार्मिक अनुष्ठान करावत बानीं
जन जन के मंगल खातिर
भावना के पावन करावत बानीं
अविरल श्रद्धा भक्ति भाव से
जीवन के प्रवाह बनल बा
जहँवा कवनो ना राजनीति
ना छुआछूत के भेद प्रबल बा
सबकर मन जग्य भगवान के
परिक्रमा में मगन बा
पंडित जन जग्य वेदी पर बइठ के

www.bhojpurisahityangan.com

निष्ठापूर्वक करत हवन बा
जग्य के धुँआ वातावरण में
फैल के करत बा शोधन
हवा पानी साफ भइला से
सुन्नर हो जाई जन जीवन
दास अयोध्या विनय करत बा
हे गुरुदेव! दीहीं सबका के नवजीवन।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

चोर-बटमार

भइया मलहवा रे नइया लगा दे पार
बड़ी दूर से आइल बानीं
बहुत देर से खाड़ बानीं
करत बानीं हम कबहिंयें से इंतजार
भइया मलहवा रे नइया लगा दे पार
मन में बड़ुए बेचैनी
हमरे भीरी सईयाँ के खैनी
इहे बा उनुकर जीवन के आधार
भइया मलहवा रे नइया लगा दे पार
गधबेर भइल आवत बा
हियरा धड़कत बा
रहिया कठिन दुश्वार
भइया मलहवा रे नइया लगा दे पार
जुग जबाना खराब बा
सगरो बेचात शराब बा
रहिया में रहले चोर बटमार
भइया मलहवा रे नइया लगा दे पार।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

मचान

पता पूछत पूछत पहुँच गइनीं
मचान बनल रहे बइठ गइनीं
मने मन हम खूब मुस्कइनीं
भगवान जी के शीश झुकइनीं
कुछ लोगन के जलन समझनीं
सबसे पहिले उनुके के माथ नवइनीं
थोरिका पारा उनुकर डाउन कइनीं
जब मंच से प्रवचन हम करत रहनीं
कबो-कबो हम नजर फेरत रहनीं
जइसे प्रवचन क के नीचे उतरनीं
ओसहीं ऊ लोग धावल पास अइनीं
गुरु जी कहत दुनों पाँव पकड़नीं
एक बे फेर हम मने मन मुस्कइनीं
आशीर्वाद देत सबका के बढ़त गइनीं
जिनगी में अइसन आनंद कबो ना पवनीं
हाथ जोड़ भगवान के धन्यवाद कइनीं
रउरे किरपा से मिलल मचान
अइसन झटका लागल
एके साथे सबकर भइल भसान।

www.bhojpurisahityangan.com

कोल्हूआर

जिनगी बीत गइल
आवत जात कोल्हूआर में
ऊख पेरात देखत
घुस गइल जीव रसधार में
एको बूँद ना मिलल
जीभ सनाइल रह गइल लार में
जाई हम रोज रोज
देखते रह जात रहीं आँख फार के
ओहिजा केहू ना रहे
जे हमरा से पूछे तनी दुलार से
जिनगी बीत गइल
आवत जात मलिकार के कोल्हूआर में
बाबुओ जी कहते रहन
जिनगी बीत गइल सहत सहत दुत्कार के।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

नाम

जब कतहुँ फोटो सहित
हमार नाम छप जाला
तऽ मन में तरंग
उठे लागला कबो कबो
जब हमार भाषण के
दु चार लाइन छप जाला
तऽ छाती उतान
हो जाला कबो कबो
अयोध्या जानत बाड़न
मन पऽ काबू राखल जाला
बाकी ऊ बहक जाला कबो कबो
दुष्प्रचार के दुष्चक्र में
जवन लोग पड़ जाला
ऊ तऽ दुष्प्रभाव के
चपेट में आ जाला कबो कबो
अयोध्या मित्रन के
समुझावत बुझावत थाक जाला
तबहियों केहू केहू के फटकार
सुने के मिलला कबो कबो।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

रोवत बाड़न

लुगरिया फाटल बा माई
सीअलो से सीआत नइखे
ई सावन झपसी लगवले
फटहियो तऽ सुखात नइखे
अबहीं ले ना खाये बनल बा
इन्हना त लहकत नइखे
अँखिया लोर भरल पूरल
पोंछलो से पोंछात नइखे
घंटा भऽ से चढ़ल पानी बा
अबहीं ले गरमात नइखे
मूसलधार बारिश होत बा
छप्पर चुवे से मानत नइखे
हे भगवान अब का करीं
हमरा कुछुओ बुझात नइखे
रोवत बाड़न लइका लइकी
खाये के दोसर सौगात नइखे।

www.bhojpurisahityangan.com

श्री कृष्ण जन्माष्टमी

हरि जी!
जीवन के सुखमय करीं
पाँच हजार बरिस पहिले
रउआ अवतरित भइलीं
भइया बलराम के संगे
वृंदावन में रउआ गइलीं
गर्दाभासुर के आक्रमण से
बलराम जी जान बचवलीं
पैर पकड़ के फेंक दिहलीं
सब केहू भयमुक्त हो गइल
ग्वाल-बाल जय जय कइल
कालिया के नकेल नाथ के
फन पऽ चढ़ि के नचले
तब नाग नथैया कहलइले
इंद्र के यज्ञ करावे से रोकले
कृष्ण पऽ इंद्र कुपित भइले
इंद्र वृंदावन में बादल भेजले
जे खूब पानी बरसावे लगले
ग्वाल-बाल विचलित भइले
कृष्ण तुरंते बात समझ गइले

www.bhojpurisahityangan.com

गोवर्धन के एके हाथ उठवले
हरि जी!
राउर महिमा अपरम्पार
आज भादों मास में जब
भइल रहे राउर अवतार
हम हिंदू जन्मदिन पर
पूजा करीना जा राउर
हरि जी!
आज जन्मदिन राउर हम सब
मिलजुल के मनावत बानीं
रोहिणी नक्षत्र तिथि अष्टमी
राउर आरती उतारत बानीं
प्रभु जी रउआ प्रेम बरसावत बानीं।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी

हर घड़ी नारायण भजींला
परमपूज्य गुरुदेव श्री त्रिदण्डीस्वामी के
चरणकमल में सिर नवाईला
भारतीय सभ्यता संस्कृति के
सब केहू के विशेषता बताईला
गुरु – शिष्य के पावन चरित्र के
उदाहरण दे – दे के समझाईला
भारत के सुखी समाज तबे बनीं
जब नारी के सम्मान मिली
दहेज कुप्रथा जब से खत्म ना होई
चेहरा पऽ ना मुस्कान खिली
शक्ति स्वरूपा नारी भगवती
सदियन से पूजल जाली
आज समाज में बुराई बढ़ल बा
एही से अपमानित भइली
वेदमंत्रन के बीच में उन्हकर
शादी विवाह करे के चाहीं
प्रदर्शन अउरी फिजूलखर्ची पर
सबका रोक लगावे के चाहीं
नदी धारा के जे उलट चले ला

www.bhojpurisahityangan.com

उहे त ऽ मछली न्याय हऽ
गुरुदेव के काम में जुटे वाला
ऊहे तऽ साँचहुँ के शिष्य हऽ
शोर मचावल छोड़ऽ अयोध्या
गुरु चरणन में झुकल करऽ
सनातन संस्कृति नइखे समस्या
गुरुदेव के जय जयकार करऽ ।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

कल्याण के भावना

परमपूज्य श्री जीयरस्वामी जी में
मानव-कल्याण के बा भावना
सबका के बार-बार बतलावत बानीं
करे के चाहीं श्रीहरि के आराधना
एक दिन गोविंद के किरपा से
जीवन सफल होखे के बढ़ जाई संभावना
अंत:करण आ मनोबल बढ़ी
तन-मन के प्रसन्न आ स्वस्थ रखी साधना
तन मन धन जे खरच करत बा समाज में
ओकर आध्यात्मिक शक्ति बढ़ी अउरी बढ़ी उपासना
समाज हित में जे आपन सब अर्पित कइले बा
ओह से बढ़के दोसर के बा त्यागी
सत्कर्म करत फूल सम मुस्कात जे उहे बा विरागी
जेकर मन निष्कलुष आ निर्विकार
उहे पुरुष सदा नमस्य बा करे के चाहीं स्वीकार
श्रीस्वामीजी जइसन संत सगरो दीप जलावत बानीं
कोना-कोना में प्रकाश फैलावत बानीं
जातीय भेदभाव करे वाला के समुझावत बानीं
अंतरजातीय विवाह करेवाला के बतावत बानीं

www.bhojpurisahityangan.com

आपन कुल-गोत्र के सीमा में बनल रहीं
एने-ओने भटक गइला से हरदम ठनल रहीं
दास अयोध्या परम पूज्य श्रीस्वामी जी के
बतावल मर्यादित वाणी आ मार्ग के अपनावत रहीं।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

सभे चाहत बा

सभ केहू चाहत बा
खंखोर लीहीं
बटोर लीहीं
एहू से ना तऽ लूट लीहीं
कतना बड़ पेट बा
जवन भरते नइखे
अखबार में उहे पढ़े के मिलत बा
टी वी पऽ उहे देखाई देत बा
अहिजा छापामारी भइल
ओहिजा फलनवा पकड़ाइल
आ चिलनवा तऽ जेल गइल
राम राम छिः छिः
अइसन जिनगी जीअला के
कवन काम बा
एह से तऽ नीमन बा
चुरुआ भऽ पानी में डूब के मर गइल
लाज डर नइखे लागत
तबहिंये नू जिनगी के मिलत बा साँसत
सभे चाहत बा भइल
रातोंरात करोड़पति

www.bhojpurisahityangan.com

एकरा खातिर करत बा
करोड़ों तरह के कुकर्म
एकदम हो जाता बेशर्म
समाज में चलता छाती तान के
छतरी ओढ़ले बा अभिमान के
बातचीत में ओकर लउकला गुमान
कहत फिरला
हमरा से बढ़ के केकर बा सम्मान
देहाती कहाउत बा
लंगटा के पोंछटा में
रुख जामल तबो ओकरा
छाँह ना भइल हे भगवान।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

मौसम के मिजाज

मौसम जबे ना तबे
आपन रंग बदल रहल बा
एकरा पऽ कुछ कहल
आज बेमतलब हो रहल बा
कबो आन्ही कबो पानी
बिनु बरसात बरखा हो रहल बा
वायुमंडल के हाल का कहे के
रोज-रोज उनचास पवन बह रहल बा
कियारियन में सब फूल-पौधा पऽ
अजबे किसिम के पाला मार रहल बा
हवा के झोंका में लहरा लहरा के
आपुस में लड़ रहल बा
बाग-बगइचा के का कहीं हम
पुरनका नयका सब जड़ से उखड़ रहल बा
नदियन के पानी रोज-रोज घटके
सब एक दिन सूखा रहल बा
खेत में फसल कइसे होई
पानी बिनु सब सूखा रहल बा
कबो खूबे पानी बरिस बरिस के
फसलन के बर्बाद कर रहल बा

www.bhojpurisahityangan.com

कबो पाला के मार से
लगातार फसल झुलस रहल बा
कहीं होखत बा बरफबारी
आ कहूँ ग्लेशियर पीघल रहल बा
सैलानियन के हालत के कहो
जन-जीवनो अस्त-व्यस्त हो रहल बा
मौसम जबे ना तबे
आपन रंग बदल रहल बा।
□□

www.bhojpurisahityangan.com

पाण्डुलिपि

बाबूजी बेटा के हाथ में
संदूकची धरावत कहले
बबुआ इहे बा हमार
जिनगी भऽ के कमाई
बबुआ तऽ अबहीं पाछे रहन
आगे बढ़के बहुरिया पूछली सोहराई
एह में कवन चीज बा बाबूजी
हमार जीवन भऽ के कमाई
कुछ दिना के बाद बाबूजी सिधार गइले
बहुरिया के मन भीतर से खुश भइले
एक दिन आपन सवाँग से कहली
बाबूजी के संदूकची खोले के चाहीं
उनुकर काम किरिया में
देहिया पऽ चढ़ल बा करजा
ओकरा के पहिले चुकावल जाई
बहुरिया जइसे संदूकची खोललली
अजब-गजब सामान देखि के
बहुत जोर से घबरइली
जब संदूकची में कुछुओ ना पवली

www.bhojpurisahityangan.com

तब उदासल मन से पति से कहली
ओह में बाबूजी आपन
कथा-कहानी कवितन के
पांडुलिपि बाड़े रखले
ई सब देखि के बहुरिया के
तरवा चटके लगले
ओठ पऽ फेफरी पड़े लागल
जइसे हो गइली पागल
थूको उनुका घोंटात ना रहे
कुछुओ कहे में जइसे सरकत रहे
तबहिंयो उनुका मुँह से लड़खड़ात
जुबान निकलिये गइल -
''हाय रे बुढ़वा!''
इहें तू आपन जिनगी भऽ के
कमाई धइले रहले?
ई कहत कहत
उनुका आँखियन के सोझा
अन्हारिया रहे छवले।
▫▫

www.bhojpurisahityangan.com

पावन संदेश

पावन संदेश बा
जीवन मूल्य बचाई
आपन आपन बाल बचवन के
उत्तम शिक्षा दिलवाई
अँगरेजी शिक्षा से बहुत मोह जनि करीं
गुरुकुल में पढ़ाई
संस्कार जब तक बढ़िया ना होखि
तब तक
मन से कुविचार ना जाई
संयमित संतुलित आहार विहार करे से
मन में सदविचार आई
समय से गिरहस्थी में प्रवेश करइला से
जीवन भटक ना पाई
आचरण से जे शुद्ध रही ऊ
समाज में आदर्श बन जाई
ऊहे बनी समय समाज के अगुआ
ऊहे सही राह पऽ ले जाई
दास अयोध्या करत करुण क्रंदन बा
परमपूज्य श्री जीयरस्वामीजी!
ओकरा पऽ किरपा बरसाई।

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

प्रो. (डॉ.) अयोध्याप्रसाद उपाध्याय

जन्म तिथि : 24 सितम्बर 1949

शिक्षा : एम.ए. (हिन्दी), पी.एच-डी.।

सम्प्रति : सेवानिवृत प्राचार्य एवं अध्यक्ष स्नाकोत्तर हिन्दी विभाग एवं भोजपुरी विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, (भोजपुर), बिहार।

अभिरुचि : हिन्दी और भोजपुरी की अनेक साहित्यिक मासिक पत्रिकाओं का पठन, साहित्यिक तथा सामाजिक गोष्ठियों एवं आयोजनों में सम्मिलित होना, अनेक समाचार पत्रों को पढ़ना, दूरदर्शन पर प्रेरक धारावाहिकों को देखना और यदा-कदा देशाटन एवं तीर्थाटन करना साथ ही संत महात्माओं के सान्निध्य में रहना।

प्रकाशन : हिंदी और भोजपुरी की विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं में कहानियाँ और कविताएँ, यात्रा वृतांत, निबंध, संस्मरण और पुस्तक समीक्षाएँ।

कृतियाँ : श्रीगुरुज्ञानसुधा, ओ मेरी जिंदगी, आज जा रहा गाँव, X-पोस्ट सुलगते सवाल (कविता संग्रह), बहू रानी (हिन्दी कहानी संग्रह), रजनीगंधा, गुलमिया (भोजपुरी कविता संग्रह) भोजपुरी की व्यावसायिक शब्दावली का भाषावैज्ञानिक अध्ययन।

स्थायी निवास : ग्राम+पञ्चलग - मंगरावँ, कछवां, रोहतास।

संपर्क : 'साकेत' डी. एम. कोठी रोड, आरा (बिहार)।

मो. नंबर : 9470640432, 9546819656

ईमेल आईडी : ayodhyaupadhyay@gmail.com

New World Publication

₹ 299